शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 278 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 26 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

'अलविदा' MIG-21

चंडीगढ़ एयरबेस पर हुआ विदाई समारोह

चंडीगढ़ (एजेंसी)। युद्ध का सिकंदर मिग 21 आज रिटायर हो गया। 1965-1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध, 1999 कारगिल युद्ध, बालाकोट स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर में भारत का शौर्य बढ़ाने वाले जंगी जहाज को चंडीगढ़ में विदाई दी गई।

62 साल तक देश की सेवा करने के बाद भारत का पहला सुपरसोनिक विमान मिग-21 अब रिटायर हो गया है। चंडीगढ़ में भारत के सुपर जेट की विदाई के लिए भव्य आयोजन किया गया है। इसमें देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान, वायुसेना अध्यक्ष एपी सिंह, सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना अध्यक्ष दिनेश कुमार त्रिपाठी भी पहुंचे।

1963 में मिग-21 को रूस से लाया गया था। आदमपुर एयरफोर्स स्टेशन और हिंडन बेस में बात नहीं बनी तो इसकी पहली स्क्वाड्रन चंडीगढ़ में तीन तंबुओं में शुरू की गई। इसी वजह से चंडीगढ़ 12 विंग एयरफोर्स स्टेशन से ही इसे अंतिम विदाई दी गई।

स्क्वाड्रन नंबर 23 (पैंथर्स) के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन राजेंद्र नंदा के नेतृत्व में अन्य पायलट मिग-21 पैंथर्स फॉर्मेशन में आखिरी बार आसमान में गरजे। इसमें एयरफोर्स की सातवीं फाइटर जेट पायलट प्रिया शर्मा भी मौजूद रहीं।

मिग-21 की अधिकतम गति 2,175 किमी प्रति घंटा है, इसी वजह से मिशन को अंजाम देकर देखते ही देखते यह फुर्ती से अदृश्य हो जाता है।

SC/ST छात्रों को दिवाली से पहले मिलेगा गिफ्ट : मुख्यमंत्री

प्रदेश के 4 लाख छात्रों के खाते में छात्रवृत्ति ट्रांसफर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी के चार लाख छात्र-छात्राओं को आज दिवाली गिफ्ट देते हुए छात्रवृत्ति वितरित की। कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ में किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति सितंबर के महीने में मिल रही है। इसकी सभी विद्यार्थियों को बधाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे शिकायतें मिली थी कि कुछ एसटी व एससी वर्ग के छात्रों छात्रों का डाटा कुछ संस्थाओं द्वारा एंट्री नहीं किया गया है जिस वजह से लगभग 5 लाख एससी एसटी छात्रों को गत वर्ष मिलने वाली छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई। इसके लिए अब सरकार ने तैयारी कर ली है और दिवाली से पहले उन्हें छात्रवृत्ति दी जाएगी साथ ही जिनकी गलती से डाटा एंट्री नहीं हुई है उनकी जवाब देही भी तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने आज 396602 छात्र-छात्राओं को 89.96 करोड रुपए की छात्रवृत्ति दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जो छात्रवृत्ति फरवरी-मार्च में मिलती थी अब सितंबर में मिला करेगी। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले छात्रों को छात्रवृत्ति देने में भेदभाव किया जाता था।

2017 में जब हमारी सरकार आई तो हमने 2016-17 और 17-18 की छात्रवृत्ति एक साथ दी। मुख्यमंत्री योगी ने प्रतीकात्मक तौर पर कई विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का चेक प्रदान किया। बता दें कि फरवरी-मार्च में मिलने वाली छात्रवृत्ति इस बार सितंबर में नवरात्र के अवसर पर छात्रों को दी जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कई बार विद्यालयों से छात्रवृत्ति के लिए डाटा फीड करने में त्रुटि हो जाती है। ऐसे में छात्र अपने अधिकार से वंचित रह जाता है। इसके लिए हम एआई के माध्यम से प्रक्रिया को सरल बना रहे हैं जिससे कि प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप कम हो और जैसे ही छात्र का पंजीकरण हो जाए उसके फोन पर पूरी डिटेल उपलब्ध हो और समय पर छात्रवृत्ति पहुंच जाए। इसकी व्यवस्था की जा रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूपी सरकार के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा है कि योगी (शेष पृष्ठ-4 पर)

बिहार में महिलाओं को सौगात

पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनाव से पहले महिलाओं को बड़ी सौगात दी गई है। आज बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना लांच की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश और बिहार में लखपति दीदी की संख्या लगातार बढ़ रही

है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि सरकार ने देश में 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से अब तक 1 करोड़ बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहार की बात करें तो राज्य में 20 लाख से ज्यादा लखपति दीदी बन चुकी हैं। इस योजना के तहत बिहार की 75 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रूपये आनलाइन ट्रांसफर किये गये हैं।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाला कॉस्टेबल व मां गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मृतका के पति व सास को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी हाल में सीआईएसएफ में आरक्षी के पद पर तैनात था। थाना प्रभारी ने बताया कि 23 सितंबर की रात्रि को रितु तोमर ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। उसे उपचार के लिए (शेष पृष्ठ-4 पर)

रौब दिखाने के लिए रखी पिस्तौल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 63 पुलिस ने अवैध पिस्टल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी लोगों पर रौब दिखाने के लिए पिस्तौल रखता था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बहलोलपुर में एक व्यक्ति पिस्टल लिए घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने उक्त व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से 32 बोर की पिस्टल व कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम सुमित यादव पुत्र संजय यादव निवासी वाजिदपुर बताया। आरोपी ने स्वीकार की लोगों पर रौब गांठने के लिए अपने साथ पिस्टल रखता था। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

सर्विस स्टेशन पर हंगामा, जड़ा ताला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शाहबेरी में स्थित कार वॉशिंग सर्विस स्टेशन पर एक व्यक्ति ने जमीन व दुकान को अपना बताते हुए जमकर हंगामा किया। उक्त व्यक्ति ने सर्विस स्टेशन पर भी ताला डाल दिया। सर्विस स्टेशन के संचालक ने थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम रोजा याकूबपुर निवासी बृजेश ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी ग्राम शाहबेरी में जमीन है। इस जमीन पर टीन शेड डालकर उसने एक हाल व दुकाने बनाई हुई है। इस जमीन पर उसने गाड़ी धोने का सर्विस स्टेशन भी बना रखा है।

बृजेश के मुताबिक 24 सितंबर को शाहबेरी का रहने वाला अनिल अपने कुछ साथियों के साथ उसकी दुकान पर पहुंचे और गाडियों कि सर्विस कर रहे कर्मचारियों से गाली गलौज में मारपीट करने लगा। उसने जबर्दस्ती दुकान पर लगा सर्विस बोर्ड उखाड़ दिया और जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया इस बात की जानकारी मिलने पर वह अपनी वृद्ध मां श्रीमती कमलेश के साथ अपनी दुकानों पर पहुंचा बृजेश के मुताबिक उन्होंने अनिल की इस हरकत का विरोध किया तो उसने गाली गलौज कर उन्हें धक्का देकर भगा दिया। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी प्रयास के बाद दुकान से अनिल द्वारा लगाये गए ताले को खुलवाया। पीडित के मुताबिक आरोपी अनिल कुमार दबंग किस्म का व्यक्ति है और वह कभी भी उसके साथ कोई अनहोनी घटना कर सकता है पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

बर्तन बेच रहे युवक पर हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी रेलवे रोड पर बर्तन बेच रहे एक युवक के साथ तीन युवकों ने मारपीट कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित के पिता ने थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया है।

दादरी में रहने वाले जमील ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा आस मोहम्मद 24 सितंबर को अग्रसेन स्कूल के पास रेलवे रोड पर बर्तन बेच रहा था। कटहेड़ा रोड निवासी सलमान उसके तीन साथी आस मोहम्मद के पास पहुंचे और गाली गलौज शुरू कर दी उसने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। इस बात की जानकारी मिलने पर वह अपने बेटे को उपचार के लिए दादरी के सरकारी अस्पताल लेकर गया जहां उसकी स्थिति को देखते हुए उसे काशीराम अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर सलमान उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

अश्लील वीडियो बनाकर की वायरल

नोएडा (चेतना मंच)। अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ थाना फेस वन में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पीड़ित का कहना है कि दोनों आरोपी उसकी अश्लील वीडियो को उसके जानकारों के पास भेज रहे हैं।

सेक्टर-9 की जेजे कॉलोनी में रहने वाले दीपक (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसे 25 सितंबर को जानकारी मिली कि उसकी वह एक महिला की अश्लील वीडियो का फोटो उसके जानकारों के पास भेजी जा रही है। उसके परिचित सुरेंद्र के पास भी उक्त

वीडियो भेजी गई थी। जानकारी करने पर पता चला कि यह वीडियो आतिश ने सुरेंद्र, रवि व ऋषि को भेजी थी। आतिश रवि लगातार उसकी अश्लील वीडियो को जानकारों के व्हाट्सएप पर भेज कर उसे बदनाम कर रहे हैं। इस मामले में जब ऋषि से वीडियो वायरल करने के बारे में पूछताछ की तो उसने गाली गलौज कर धमकी दी। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

निर्माणाधीन स्कूल से सरिया चुराते दबोचा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गिरधरपुर गांव में निर्माणाधीन शकुंतला पब्लिक स्कूल में सरिया चोरी कर रहे चोर को स्कूल प्रबंधन व उसके बेटे ने मौके पर ही दबोच लिया। पकड़ा गया आरोपी पिछले कई दिनों से निर्माणाधीन इमारत से सरिया व अन्य सामान चोरी कर रहा था। गिरधरपुर गांव निवासी मनीष कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका गांव में ही स्कूल के निर्माण का कार्य चल रहा है। पिछले कई दिनों से निर्माणाधीन इमारत से सरिया तार व अन्य सामान चोरी हो रहा था। उन्होंने जब सीसीटीवी फुटेज देखी तो उसमें एक युवक चोरी करता हुआ दिखाई दिया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

अमेजॉन के डिलीवरी बॉय से मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अमेजॉन के डिलीवरी बॉय द्वारा दूर के ऑर्डर ले जाने से इनकार करने पर सीनियर ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान आरोपियों ने डिलीवरी बॉय को जाति सूचक शब्दों से भी संबोधित कर अपमानित किया। पीड़ित ने थाना सूरजपुर में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सूरजपुर में रहने वाले विकास ने बताया कि वह बीटा दो स्थित अमेजॉन कंपनी में डिलीवरी बॉय का काम करता है। 21 सितंबर की सुबह वह आर्डर लेने के लिए गया था। वहां मौजूद कंपनी के एसएसए आदर्श नागर उसे दूर क्षेत्र के ऑर्डर दे रहा था। (शेष पृष्ठ-4 पर)

समझौते के लिए बुलाकर नगदी व दस्तावेज छीने

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्लॉट के विवाद में समझौते के लिए बुलाए गए एक व्यक्ति से 5 लोगों ने चार लाख रुपए वं प्लॉट के मूल दस्तावेज छीन लिए और फरार हो गए। पीड़ित ने थाना दनकौर में चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

दनकौर के रहने वाले विशाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने रकम भाटी व चंद्र की मार्फत वर्ष 2015 में जिले व अतरू से दो प्लॉट खरीदे थे। उसने प्लॉट की एवज में 90 लाख रुपए का भुगतान भी कर दिया था। कुछ समय पहले उसे पता चला कि किसानों द्वारा उक्त भूखंडों पर प्राधिकरण ने आपत्ति लगा दी है। इसके बाद उसने रकम भाटी व चंद्र से बातचीत की तो उन्होंने उसकी समस्या को हल करने का आश्वासन दिया। किसानों के घर पर उसकी बातचीत हुई जिस पर किसानों ने आश्वासन दिया कि वह प्लॉट की रजिस्ट्री करा देंगे।

किसानों ने उसे बातचीत करने के लिए दनकौर बुलाया। बातचीत के दौरान किसानों ने प्लॉट के मूल दस्तावेज देखने के लिए मांगे जैसे ही उसने अपना बैग उठाया तो मौके पर मौजूद जिले, रमेश, दिनेश, दीपक व रिंकू ने उसका बैग छीन लिया और फरार हो गए। विशाल के मुताबिक उसके बैग में चार लाख रुपए भी रखे हुए थे। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर पांचों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सिक्योरिटी ऑफिसर व गार्ड के साथ मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा क्षेत्र के बिसाहडा में स्थित चादर फैक्ट्री के सिक्योरिटी ऑफिसर व गार्ड के साथ तीन युवकों ने मारपीट की आरोपियों ने फैक्ट्री में खड़ी गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की। जनपद मेरठ निवासी कल्याण सिंह ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि वह बिसाहडा स्थित नव निधि कॉन्टिनेंटल चादर फैक्ट्री में सिक्योरिटी ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। 25 सितंबर की शाम को वह गार्ड सत्येंद्र सिंह के साथ ड्यूटी पर था। इस दौरान सफेद रंग की स्विफ्ट कार से तीन युवकों ने गेट में टक्कर मार दी। एक युवक ने दीवार फांद कर कंपनी का गेट खोल दिया। गेट खुलते ही कार सवार डिग्गी पुत्र अशोक कुमार अपने साथियों के साथ कंपनी के भीतर घुस आया और लाठी डंडों से उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने कंपनी के भीतर खड़ी गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की। मारपीट व तोड़फोड़ करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि सिक्योरिटी ऑफिसर की शिकायत पर डिग्गी व उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सड़क दुर्घटना में गई दो लोगों की जान

नोएडा (चेतना मंच)। लापरवाह वाहन चालकों की लापरवाही आम लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ रही है। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में लापरवाह वाहन चालकों की वजह से दो लोगों की जान चली गई।

सेक्टर 71 में रहने वाले संतोष बहादुर थापा ने थाना सेक्टर 20 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई चंद्र बहादुर थापा सेक्टर-71 में पीजी चलाता था। 22 सितंबर की रात्रि को एसी ठीक करने वाले प्रवेश ने उन्हें फोन कर बताया कि उनके भाई चंद्र बहादुर थापा का सेक्टर 25 में निठारी रोड पर एक्सीडेंट हो गया है किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी है। सूचना के आधार पर वह और चंद्र बहादुर थापा की पत्नी मौके पर पहुंचे। उन्हें सड़क किनारे चंद्र बहादुर थापा लहूलुहान वहां अवस्था में पड़ा हुआ मिला इसके बाद वह

अपने भाई को किसी तरह वहां से उठाकर घर ले आए और उपचार कराया। 24 सितंबर को चंद्र बहादुर थापा की तबीयत खराब होने लगी इसके बाद वह अपने भाई को निजी अस्पताल लेकर पहुंचे यहां प्राथमिक उपचार दिलवाने के बाद वह अपने भाई को सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल लेकर आए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया संतोष बहादुर थापा ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

वहीं थाना सेक्टर-39 में निठारी गांव निवासी हरेंद्र सिंह ने सड़क हादसे में अपने भाई की मौत होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। हरेंद्र सिंह ने बताया कि उसका भाई अरुण कुमार अपने दोस्त मनोज कुमार की होंडा अमेज कार से हाजीपुर लाल बत्ती से उतरकर सेक्टर 82 स्थित लोटस विला से अपने घर की तरफ जा रहा था। हाजीपुर लाल बत्ती से आगे यू-टर्न पर तेज गति में आ रही बस के चालक ने अरुण कुमार को टक्कर मार दी इस हादसे में अरुण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के राहगीरों ने अरुण कुमार को तुरंत सेक्टर-110 भंगेल स्थित सरकारी अस्पताल पहुंचाया जांच चिकित्सकों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। दुर्घटना के बाद चालक बस को लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है बस नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

रेकी के बाद चुराते थे बाइक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर पुलिस ने तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की तीन बाइक व दो चाकू बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम तिलपत चौराहे पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबीर ने सूचना दी कि कट के पास तीन बदमाश चोरी की बाइको को बेचने के बारे में बात कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मुखबीर के बताए गए स्थान पर पहुंचे और बाइक पर बैठे तीन लड़कों को घेर लिया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

अहिंसा या हिंसा

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक बीते पंद्रह दिनों से अनशन पर थे। इन्हीं मुद्दों के समर्थन में यह आंदोलन चल रहा था। हालांकि, हिंसा के बाद उन्होंने अपना अनशन त्याग दिया है। उन्होंने आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। समाचार माध्यमों में कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों से केंद्रशासित प्रदेश में लद्दाख को पूर्ण राज्य देने की मांग को लेकर समय-समय पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बताया जाता है कि पिछले पैंतीस दिनों से कुछ लोग अनशन कर रहे थे। परसों उनमें से दो लोगों की तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसके बाद लोगों में आक्रोश बढ़ा। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी माह में एक वार्ता का दौर निर्धारित था,लेकिन आंदोलनकारी इससे पहले ही इस दिशा में पहल की मांग करते रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों के नेता लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लोगों की आकांक्षा पूर्ण न होने पर उपजे आक्रोश को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है। जम्मू-कश्मीर के विपक्षी नेताओं द्वारा सवाल उठाये जा रहे हैं कि 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने पर जश्न मनाने वाले लद्दाख के लोगों में आज आक्रोश क्यों पनप रहा है? वे इस अभिव्यक्ति के आलोक में जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को फिर वापस लौटने की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि लेह के आंदोलनकारी कई सालों से भूमि संरक्षण व संस्कृति की रक्षा के लिये इस केंद्रशासित प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची का कवच देने तथा पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना था कि केंद्र शासित प्रदेश बनने से क्षेत्र के लोगों की आंकाक्षा पूरी नहीं हुई। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है। वहीं लद्दाख की अस्मिता को संरक्षित करने के लिये छठी अनुसूची की मांग लंबे समय से की जाती रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भाजपा ने वर्ष 2019 के घोषणापत्र में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने का वायदा किया था। लेकिन अब इस पर आनाकानी की जा रही है। आंदोलनकारी इसके अलावा कारगिल व लेह को लोकसभा सीट बनाने और स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 244 की छठी अनुसूची में ऐसी स्वायत्त व अधिकार संपन्न प्रशासनिक इकाइयों का प्रावधान है, जिनके पास जल-जंगल व उद्योगों को लेकर क्षेत्र की संस्कृति व संरक्षण हेतु निर्णय करने का अधिकार होता है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि कोई कहती है- यदि विधाता भले हैं और सुना जाता है कि वे सबको उचित फल देते हैं, तो जानकीजी को यही वर मिलेगा। हे सखी! इसमें संदेह नहीं है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जौं बिधि बस अस बनै सँजोगू। तौ कृतकृत्य होइ सब लोगू॥
सखि हमरें आरति अति तातें। कबहुँक ए आवहिं एहि नातें॥

जो दैवयोग से ऐसा संयोग बन जाए, तो हम सब लोग कृतार्थ हो जाएँ। हे सखी! मेरे तो इसी से इतनी अधिक आतुरता हो रही है कि इसी नाते कभी ये यहाँ आवेंगे॥

दो0-नाहिं त हम कहुँ सुनहु सखि इन्ह कर दरसनु दूरि।
यह संघटु तब होइ जब पुन्य पुराकृत भूरि॥

नहीं तो (विवाह न हुआ तो) हे सखी! सुनो, हमको इनके दर्शन दुर्लभ हैं। यह संयोग तभी हो सकता है, जब हमारे पूर्वजन्मों के बहुत पुण्य हों॥

बोली अपर कहेहु सखि नीका। एहिं बिआह अति हित सबही का।
कोउ कह संकर चाप कठोरा। ए स्यामल मृदु गात किसोरा॥

दूसरी ने कहा- हे सखी! तुमने बहुत अच्छा कहा। इस विवाह से सभी का परम हित है। किसी ने कहा- शंकरजी का धनुष कठोर है और ये साँवले राजकुमार कोमल शरीर के बालक हैं॥

(क्रमशः..)

बंजर भूमि पर हो प्राकृतिक खेती का विकास

देश में खेती की जमीन घट रही है या बढ़ रही है, इसे लेकर दो तरह की बातें की जा रही है। एक वर्ग का मानना है कि देश में खेती की जमीन बढ़ रही है। हालांकि जिस तरह शहरीकरण बढ़ रहा है, खासकर उपजाऊ जमीनों पर शहरों का निर्माण हो रहा है, उससे लगता तो नहीं कि खेती की जमीन बढ़ रही है। हालांकि कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लोकसभा में पेश एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2018-19 में जहां 180624 हजार हेक्टेयर जमीन पर खेती होती थी, वह साल 2021-22 में बढ़कर 219158 हजार हेक्टेयर हो गई है। इससे तो हमें खुश होना चाहिए। क्योंकि चीन जैसे देश अपने यहां खेती योग्य जमीन की कमी को लेकर चिंतित हैं।

लेकिन एक और रिपोर्ट आई है, लैंड यूज स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लैंस 2012-13 टू 2021-22। इस रिपोर्ट का कहना है कि कहती है, 2018-19 से 2021-22 तक खेती योग्य जमीन का दायरा घटकर 180.62 मिलियन हेक्टेयर से घटकर 180.11 मिलियन हेक्टेयर हो गया है। यह रिपोर्ट राज्यों को सुझाती है कि औद्योगिक और निर्माण गतिविधियों आदि के लिए वे बंजर भूमि का उपयोग करें। संविधान के मुताबिक, भारत में भूमि राज्य सूची का विषय है। इसलिए राज्यों पर इसके लिए दबाव नहीं बनाया जा सकता। लेकिन दिल्ली, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश आदि के विकास को देखने से पता चलता है कि भारी मात्रा में खेती योग्य और बेहद उपजाऊ जमीन अब कंक्रीट के जंगल में बदल चुकी है। शायद यही वजह है कि अब बंजर भूमि को खेती योग्य बनाने को लेकर मांग उठने लगी है।

भारत में कुल 14 करोड़ हेक्टेयर पर नियमित खेती होती है। आज खेती की जो हालत है, जिस तरह उसमें कीटनाशकों और रासायनिक खादों का इस्तेमाल बढ़ा है, उसकी वजह से खेती की मिट्टी भी खराब हो चुकी है। अब कैंसर, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के लिए विशेषज्ञ रासायनिक खाद और कीटनाशक युक्त खेती को भी जिम्मेदार बता रहे हैं। पंजाब के बठिंडा से राजस्थान के जोधपुर के लिए चलने वाली विशेष ट्रेन को कैंसर ट्रेन इसीलिए कहा जाने लगा है, क्योंकि इसमें ज्यादातर यात्री जोधपुर के कैंसर अस्पताल में अपना इलाज कराने जाते हैं। जाने वाले खेती की उपज के लिए मशहूर पंजाब राज्य के लोग होते हैं। इसी लिए अब प्राकृतिक, जैविक या नो बजट खेती की मांग बढ़ रही है। इस खेती के जरिए होने वाली उपज को स्वास्थ्य वर्धक माना जाने लगा है। लेकिन खेती की मौजूदा जमीन को सुधारना एक दिन का काम नहीं है और उसे सुधारने में बहुत वक्त लगेगा। इसलिए अब मांग होने लगी है कि भारत में जो वर्जिन लैंड यानी बंजर जमीन है, उसे तैयार करके उस पर प्राकृतिक और जैविक खेती करने के लिए अनुमति मिलनी चाहिए। वैसे देश की करीब 40 फीसद आबादी अपनी आजीविका के लिए बंजर भूमि पर निर्भर है। ज्यादातर यह आबादी मुख्यतः ग्रामीण है, अशिक्षित भी है या फिर इसमें हाशिए के लोग शामिल हैं। इस सिलसिले में दिल्ली में पांच अगस्त को पूरे दिनभर का सेमिनार भी हुआ, जिसमें राजनेता, सामाजिक

भारत की अधिकांश बंजर और अत्यधिक क्षरित भूमि पर सीमांत किसान और आदिवासी आबादी निवास करती है, उनकी आजीविका भी इसी पर टिकी हुई है। इसलिए भी जरूरी है कि बंजर भूमि का विकास हो, उसे उपजाऊ बनाया जाए और उन पर प्राकृतिक खेती की जाए।

कार्यकर्ता और कृषि उत्पादक और कारोबारी भी शामिल हुए। हर वर्ग का मानना था कि ऐसा किया जाना भारत के स्वास्थ्य, हाशिए पर पड़े लोगों की हैसियत सुधारने और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के %बंजर भूमि एटलस% (2019) के अनुसार, देश में लगभग 55.76 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि है, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 16.96 प्रतिशत है।अगर उचित उपचार किया जाए तो लगभग 50त्न बंजर भूमि उपजाऊ बन सकती है। इस एटलस के अनुसार राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मिजोरम, मध्य प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और पश्चिम बंगाल की बंजर भूमि में सकारात्मक बदलाव आया है और उनमें से अधिकांश को कृषि भूमि, वृक्षारोपण और औद्योगिक क्षेत्रों आदि बनाने के लिए बदला जा रहा है।

यहां जान लेना चाहिए कि जो भूमि खाली पड़ी है, अनुत्पादक है, या जिसका पूरी क्षमता से उपयोग नहीं हो रहा हो, जिसकी उत्पादकता कम है, आमतौर पर उसे बंजर माना जाता है। उदाहरण के अनुसार, बंजर भूमि में क्षरित वन, जलभराव वाली दलदली भूमि, पहाड़ी ढलान, अपरदन वाली घाटी, अतिचारित चारागाह और सूखाग्रस्त चारागाह शामिल हैं।

1985 में स्थापित राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड यानी एनडब्ल्यूडीबी, के अनुसार बंजर भूमि को क्षरण की सीमा के आधार पर निम्नलिखित समूहों में बांटा गया है। इसमें पहली श्रेणी में सांस्कृतिक बंजर भूमि आती है, जिसका कई वजहों से फिलहाल उपयोग नहीं हो रहा, लेकिन यह भूमि उचित उपचार के बाद उपजाऊ हो सकती है। जैसे झूम खेती वाली भूमि, क्षरित चरागाह और चरागाह भूमि, क्षरित वन भूमि, क्षरित गैर-वनीय वृक्षारोपण भूमि, पट्टीदार भूमि, रेतीले क्षेत्र, खनन और औद्योगिक बंजर भूमि, नाले और बीहड़ भूमि, जलभराव और दलदली भूमि, और लवण प्रभावित भूमि इस दायरे में आती है। दूसरी श्रेणी कृषि-अयोग्य बंजर भूमि कही जाती है। इसमें वह जमीन आती है, जिसका अभी उपयोग नहीं हो रहा है, और किसी भी हालत में उपजाऊ नहीं हो सकती या यहां पेड़-पौधे नहीं उग सकते। इस श्रेणी में पथरीली, तीव्र ढलान वाली और बर्फ से ढकी जमीन आती है। कृषक समुदायों के लिए खतरा- अनुमान है कि भारतीय जनसंख्या का 61.5त्न ग्रामीण है और कृषि पर निर्भर है, और देश में 57.8त्न ग्रामीण परिवार कृषि परिवार हैं। इसलिए, भूमि क्षरण कृषक समुदायों की स्थायी आजीविका सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। क्षरित और बंजर भूमि को पुनः प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपाय आवश्यक हैं ताकि सामाजिक और आर्थिक कारणों से अनुपयोगी होते जा रहे क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करके और उत्पादन क्षमता के और नुकसान को रोककर पुनः प्राप्त किया जा सके। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि भूमि संसाधन सीमित हैं।

यह कार्यक्रम 1989-90 से क्रियान्वित है। इसे 1995 से जलग्रहण विकास के लिए जारी नए दिशानिर्देशों के आधार पर क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें एक आधार-से-ऊपर दृष्टिकोण, अर्थात् सामुदायिक भागीदारी दृष्टिकोण की परिकल्पना की गई है। इसकी ताकत स्थानीय पंचायती राज संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी विभागों और स्थानीय समुदायों को शामिल करके निर्णय लेने की प्रक्रिया के विकेंद्रीकरण में निहित है। नए दिशानिर्देश जलग्रहण विकास निधि की स्थापना करके और समता संबंधी मुद्दों और उपभोक्ता अधिकार तंत्रों के निर्णय में लोगों को शामिल करके स्थायी परियोजनाओं को सुनिश्चित करने का भी प्रयास करते हैं।

वैसे बंजर भूमि को उपजाऊ और विकसित बनाने के लिए सरकारी स्तर पर कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना ऐसी ही योजना है। इसके तहत मृदा अपरदन को रोकने, प्राकृतिक वनस्पति को पुनर्जीवित करने, वर्षा जल का संचयन करने और भूजल स्तर को रिचार्ज करने के लिए मिट्टी, वनस्पति आवरण और पानी जैसे खराब प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, संरक्षण और विकास के जरिए पारिस्थितिकीय संतुलन बहाल करने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अंतर्गत 1992 में स्थापित राष्ट्रीय वनरोपण एवं पारिस्थितिकी विकास बोर्ड यानी एनएईबी भी बंजर भूमि के विकास के लिए योजनाएं चला रहा है। इसके तहत वनरोपण को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये वनरोपण स्थानीय पारिस्थितिकीय हालात पर केंद्रित होते हैं। इसके साथ ही एकीकृत वनरोपण और पारिस्थितिकी विकास परियोजना योजना, क्षेत्रोन्मुख ईंधन लकड़ी और चारा परियोजना योजना, औषधीय पौधों सहित गैर-लकड़ी वनों का संरक्षण एवं विकास योजना, वृक्ष एवं चारागाह बीज विकास योजना आदि भी चलाई जा रही हैं। भारत की अधिकांश बंजर और अत्यधिक क्षरित भूमि पर सीमांत किसान और आदिवासी आबादी निवास करती है, उनकी आजीविका भी इसी पर टिकी हुई है। इसलिए भी जरूरी है कि बंजर भूमि का विकास हो, उसे उपजाऊ बनाया जाए और उन पर प्राकृतिक खेती की जाए। जिसकी वजह से अपने यहां ना सिर्फ शुद्ध और प्राकृतिक खाद्यान्न का उत्पादन होगा, कृषि वानिकी और वानिकी का भी विकास होगा। तब हम प्रकृति के और ज्यादा नजदीक जा सकेंगे और हमारी दुनिया में बदलाव आए, जो सकारात्मक होगा, प्राकृतिक होगा और स्वास्थ्य वर्धक भी। जिसमें रासायनिक खाद नहीं होंगे, कीटनाशक भी नहीं होंगे, जिसकी उपज का स्वाद स्वाभाविक रूप से मीठा होगा।

-उमेश चतुर्वेदी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

गुणवत्ता से परिपूर्ण हो बुजुर्ग जीवन

किसी भी समाज की सभ्यता का असली पैमाना यह है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। जीवन की समझ, संघर्ष और अनुभव का खजाना बने बुजुर्ग किसी भी राष्ट्र की धरोहर होते हैं। वे केवल बीते समय की कहानियां नहीं, बल्कि वर्तमान की मजबूती और भविष्य की दिशा देने वाले दीपस्तंभ हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज सबसे गंभीर सवाल यही है कि क्या हम अपने वरिष्ठ नागरिकों को वह गरिमा, सुरक्षा और सक्रिय जीवन दे पा रहे हैं जिसके वे हकदार हैं। भारत में परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं, 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 10.4 करोड़ लोग 60 वर्ष या उससे अधिक आयुवर्ग के थे। 2021 तक यह संख्या 13.8 करोड़ पर पहुंची और अनुमान है कि 2026 तक यह 17.3 करोड़ से अधिक हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक भारत की लगभग 20 प्रतिशत जनसंख्या वृद्ध होगी, जबकि 2046 तक स्थिति ऐसी होगी कि बुजुर्गों की संख्या बच्चों से भी अधिक हो जाएगी। यह बदलाव केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना और मानवीय मूल्यों की नई परीक्षा है। दिलचस्प तथ्य यह है कि भारत के लगभग 71 प्रतिशत बुजुर्ग ग्रामीण इलाकों में रहते हैं, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा का ढांचा अपेक्षाकृत कमजोर है। बुजुर्ग जीवन केवल लंबा नहीं होना चाहिए, बल्कि गुणवत्ता से परिपूर्ण भी होना चाहिए। भारत में औसत जीवन प्रत्याशा दर लगातार बढ़ रही है।

महिलाएं औसतन 70 वर्ष से ऊपर और पुरुष लगभग 68 वर्ष तक जी रहे हैं। मगर इन वर्षों में सबसे बड़ी चुनौती सक्रियता, स्वास्थ्य और गरिमा बनाए रखने की है। चलने-फिरने की कठिनाई, हड्डियों और जोड़ों की बीमारियां, देखने-सुनने की समस्याएं आम हो चुकी हैं। आर्थिक स्थिति भी बहुत चुनौतीपूर्ण है, अधिकांश बुजुर्ग अब भी अपने बच्चों या रिश्तेदारों पर निर्भर रहते हैं। 60 से 64 वर्ष की आयु के 65 प्रतिशत पुरुष और मात्र 18 प्रतिशत महिलाएं ही किसी आर्थिक गतिविधि में संलग्न हैं। वृद्धावस्था निर्भरता अनुपात 1961 में 10.9 प्रतिशत था, जो 2021 में 15.7 प्रतिशत हो चुका है और 2031 में इसके 20 प्रतिशत से ऊपर पहुंचने की संभावना है। इसका सीधा अर्थ है कि कार्यशील जनसंख्या पर बोझ बढ़ेगा और परिवारों पर दबाव और गहरा होगा। सुरक्षा की स्थिति भी चिंताजनक है। 2021 के आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में प्रति लाख आबादी पर बुजुर्गों के खिलाफ अपराध दर 93.8 थी। यह स्थिति उस वर्ग के लिए बेहद दर्दनाक है जिसे जीवन की संध्या में सहारे और सुरक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। सरकार ने बुजुर्गों के कल्याण के लिए कुछ योजनाएं लागू की हैं। 'वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007' बच्चों को माता-पिता की देखभाल का कानूनी दायित्व देता है। 'राष्ट्रीय वयोश्री योजना' के तहत गरीब बुजुर्गों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

हिमाचल में रोगी मित्र योजना की घोषणा की गई है जिसके तहत 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग वाले बुजुर्गों की घर द्वार सेवा की जाएगी। इसके अलावा हिमाचल सरकार द्वारा 9 वृद्धजन आश्रमों का संचालन भी किया जा रहा है। पेंशन योजनाएं, डे-केयर सेंटर और हेल्पलाइन सेवाएं भी उपलब्ध हैं। लेकिन सच यह है कि विशाल जरूरतों के सामने ये पहलें छोटी-सी कोशिश भर हैं। ऐसे समय में केरल ने एक ऐतिहासिक पहल की है। राज्य ने देश का पहला 'वरिष्ठ नागरिक आयोग' गठित किया है, जो बुजुर्गों के कल्याण, संरक्षण और पुनर्वास को सुनिश्चित करेगा। आयोग उपेक्षा, शोषण, अकेलापन और स्वास्थ्य समस्याओं जैसे मुद्दों को संबोधित करेगा और बुजुर्गों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर देगा। साथ ही आयोग, समाज को यह संदेश भी देगा कि वरिष्ठ नागरिक बोझ नहीं, बल्कि अनुभव और ज्ञान का खजाना हैं। ऐसे में यह पहल न केवल समयानुकूल, बल्कि दूरदर्शी कदम भी है। भारत जैसे विशाल देश में वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन हर राज्य में होना चाहिए। यह न केवल बुजुर्गों की समस्याओं को दूर करेगा, बल्कि उन्हें अपनी बात रखने और अधिकार मांगने का मंच भी देगा। 1अक्टूबर, 2025 को 'अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' की थीम 'समावेशी भविष्य के लिए बुजुर्गों की आवाज को सशक्त बनाना' है। इसका अर्थ यही है कि बुजुर्गों को केवल सहानुभूति की दृष्टि से न देखें, बल्कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया का सक्रिय हिस्सा बनाएं। उनका अनुभव और ज्ञान समाज की पूंजी है और उनके योगदान के बिना कोई भी समावेशी भविष्य संभव नहीं। हमारे शास्त्रों में भी बुजुर्गों के सम्मान पर बल दिया गया है। एक श्लोक कहता है,'अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविन-। चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्।।' अर्थात जो व्यक्ति नित्य वृद्धजनों को विनम्रता से नमस्कार करता है और उनकी सेवा करता है, उसकी आयु, विद्या, कीर्ति और बल में वृद्धि होती है।

अंतत- बुजुर्ग केवल अतीत का बोझ नहीं हैं, बल्कि वर्तमान का अनुभव और भविष्य का मार्गदर्शन हैं। वे उस दीपक की तरह हैं, जिसकी लौ भले ही उम्र के कारण धीमी हो जाए, मगर जिसकी रोशनी से आने वाली पीढियां दिशा पाती हैं। यह युवा पीढ़ी का दायित्व एवं कर्त्तव्य है कि समाज में वृद्ध लोगों का सम्मान करें, उनकी मानवीय गरिमा को बनाएं रखें, उनके अनुभवों और ज्ञान का आदर करें तथा उन्हें प्यार, अपनापन और सामाजिक समावेश प्रदान करें ताकि वे खुशी-खुशी अपना जीवन जिएं। हमें यह याद रखना होगा कि आज जो हमारे बुजुर्ग हैं, कल हम भी उसी पंक्ति में खड़े होंगे। उनका सम्मान ही हमारी आने वाली उम्र की सुरक्षा है। एक ऐसा भारत जहां बुजुर्ग न केवल लंबा जीवन जिएं, बल्कि आत्मनिर्भर, सम्मानित और खुशहाल जीवन जिएं, यही हमारी सभ्यता की सच्ची पहचान होगी।

लेखक-अनुज आचार्य

राशिफल

अश्विन माह, कृष्ण पक्ष चतुर्थी

(विक्रम संवत् 2082)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति सुदृढ़ होगी। प्रेम,संतान थोड़ा मध्यम रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
क्रोध में आकर कोई फैसला न लें। भावुकता में आकर कोई फैसला न लें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी होगी। भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। किसी भी नए व्यापार की शुरुआत के लिए शुभ समय है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
धनार्जन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य बहुत अच्छा, प्रेम-संतान की स्थिति बहुत अच्छी व व्यापार बहुत अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं उपलब्ध होंगी। जहां गर्माहट की जरूरत है, वहां आप गर्म हो रहे हैं।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा बना रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य में सुधार।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
थोड़ा बचकर पार करें। परिस्थितियां ठीक नहीं चल रही है। कोई रिस्क लेने लायक नहीं है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

...जब पुष्पवाटिका में श्रीराम की भेंट सीता से हुई

श्री सनातन धर्म रामलीला

नोएडा (चेतना मंच)। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के तत्वाधान में हरि भक्ति कला ट्रस्ट द्वारा आयोजित रामलीला का भव्य मंचन नोएडा स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस भक्ति और सांस्कृतिक आयोजन का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक पंकज शर्मा द्वारा किया गया।

रामलीला की प्रस्तुति में भगवान श्रीराम के जीवन की आरंभिक लीलाओं का सुंदर और प्रभावशाली मंचन किया गया। मंचन की शुरुआत जनकपुर के जनक बाजार और पुष्प वाटिका में सीता जी और श्रीराम जी की भेंट से हुई। इसके उपरांत गौरी पूजन में सीता जी द्वारा गौरी माता से मनचाहा वर का आशीर्वाद पाना, स्वयंवर में रावण बाणासुर के बीच संवाद, जनक का व्यथा से व्याकुल होना, लक्ष्मण जी का क्रोध, श्रीराम द्वारा शिव धनुष भंजन करना, सीता द्वारा श्रीराम को जयमाला पहनाना, तदोपरांत परशुराम जी का क्रोधित मुद्रा में प्रवेश, लक्ष्मण जी और परशुराम जी के बीच में संवाद, परशुराम जी द्वारा श्रीराम को विष्णु रूप में पहचाना और क्षमा मांग कर चले जाना तक की कथा का सजीव चित्रण किया गया।

प्रसंग में जनक की व्यथा जैसे मार्मिक व लक्ष्मण परशुराम जैसे रोमांचक दृश्यों को प्रभावशाली संवादों और भावनात्मक अभिनय के माध्यम से मंच पर जीवंत किया गया। इस मंचन में विभिन्न पात्रों की भूमिकाओं को कलाकारों ने अद्भुत समर्पण और ऊर्जा के साथ निभाया।

श्रीराम के रूप में अभिमन्यु चौधरी, लक्ष्मण के रूप में गर्व गुप्ता, सीताजी के रूप में तानिया कौर अरोड़ा, परशुराम की भूमिका में पंकज शर्मा, जनक जी के रूप में महेश, रावण की भूमिका में अमित शर्मा, बाणासुर के रूप में मनीष चौहान।

श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी

सीता के विवाह के लिए जनक ने रचाया स्वंयवर

नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर 46 के द्वारा गुरुवार को रामलीला के चौथे दिन रामलीला के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सपा के पूर्व राज्य मंत्री राकेश यादव अति विशिष्ट अतिथि के रूप में फेलिक्स हॉस्पिटल के मालिक डॉक्टर डीके गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप में दीपक विग, डॉ. हरीश त्रिपाठी, शिवराम यादव व भीष्म यादव शामिल हुए। सभी लोगों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

रामलीला के चौथे दिन शिव धनुष के खंडित होते ही सियावर रामचंद्र की जय कारे से पूरा रामलीला मैदान गुंज उठा। मिथिला के राजा जनक का दरबार सीता स्वयंवर के लिए भव्य रूप से सजाया गया। भगवान शिव का धनुष दरबार के मध्य में रखा है एक-एक करके सभी राजा महाराजा धनुष को उठाने का प्रयास करते हैं लेकिन कोई हिला तक नहीं पता है तब गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान श्री राम शिव धनुष को प्रणाम कर उसकी प्रत्यंचा चढ़ाने का प्रयास करते हैं और शिव धनुष खंडित हो जाता है। मुख्य अतिथि राकेश यादव ने कमेटी के लोगों को शानदार आयोजन के लिए बधाई दी। और सभी लोगों से कहा कि हमें श्री राम भगवान के आदर्शों का पालन करना चाहिए।

श्रीराम मित्र मंडल रामलीला समिति

शिव धनुष तोड श्रीराम ने जीता स्वयंवर

नोएडा (चेतना मंच)। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित श्रीरामलीला मंचन के चौथे दिन मुख्य अतिथि सांसद सतीश गौतम, विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल, उद्योगपति वासुदेव गर्ग, नोएडा महानगर संघचालक दिनेश गोयल, विष्णु प्रकाश गोयल, विपिन गुप्ता, संजीव शर्मा, राजेश राजपूत, मुकेश गर्ग, समाजसेवी धर्मप्रकाश वर्मा, समाजसेवी डॉ अनिल त्यागी, उपदेश भारद्वाज, एनपी सिंह, राजीव अजमानी, धर्मेंद्र चौहान द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ लीला का शुभारंभ हुआ। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव डॉ मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढाकर स्वागत किया गया।

दीप प्रज्वलन के पश्चात सीता जी के स्वयंवर में आये विभिन्न अतिथियों का राजा जनक द्वारा भव्य स्वागत किया जाता है और ततपश्चात स्वयंवर हेतु शिव धनुष तोडने हेतु सभी अतिथि अपना प्रयास करते हैं परंतु राजा जनक देखते हैं कि रावण ,बाणासुर जैसे तमाम योद्धा आये लेकिन धनुष को हिला तक नहीं सके। यह देखकर जनक जी व्याकुल हो उठते हैं। इसके बाद जनक जी धनुष न टूटने पर विलाप कर कहते हैं कि लगता है अब पृथ्वी वीरों से खाली हो गई है।

लक्ष्मण जी उनकी बात सुनकर क्रोध कर कहते हैं कि अगर श्रीराम आज्ञा दे यह धनुष क्या पूरा ब्रह्माण्ड को तोड-मरोड़ डालूं। राम जी लक्ष्मण को शांत करते हैं। विश्वामित्र भगवान श्रीराम को आदेश देते हैं की ''उठहु राम भंजहु भवचापा। मेटहु तात जनक परितापा'', अर्थात् हे राम! उठो, शिवजी का धनुष पर प्रत्युन्चा चढ़ाओ और राजा जनक का संताप दूर करो। भगवान राम द्वारा धुनष की प्रत्युन्चा चढ़ाते ही धनुष टूट जाता है, सभी जनकपुर वासियों में खुशी दौ जाती है सीता जी राम को वर माला डालती हैं। सुर-नर, मुनि सभी फूलों की वर्षा करते हैं।

बजरंग रामलीला संचालिका समिति

आज होगा स्वयंवर का मंचन, राम तोड़ेंगे धनुष!

नोएडा (चेतना मंच)। बजरंग रामलीला संचालिका समिति के मंच पर श्रीमती ज्योति चतुर्वेदी मिडिऐटर जज, पटियाला हाउस कोर्ट, दिल्ली, रवि कान्त मिश्रा जनशक्ति सेवा समिति के चैयरमेन, आरके गर्ग एवरग्रीन स्वीट के मेनेजींग डायरेक्टर, संजय गुप्ता रामाज्ञा स्कूल के चेयरमैन, एसएस अवस्थी, नरेन्द्र चोपड़ा अध्यक्ष जनशक्ति सेवा समिति, जितेन्द्र मिश्रा अध्यक्ष एवं लोकेश त्रिपाठी उपाध्यक्ष ब्राह्मण एकता समिति, विनीत मेहता उपाध्यक्ष, गोरव चाचा नवीन सोनी, अमित मेहता नोएडा पंजाबी एकता समिति, परवीण चतुर्वेदी इंजीनियर के कर-कमलों से आरती के उपरान्त दीप प्रज्वलित कर श्रीराम लीला के मंचन का प्रारम्भ किया गया।

मंच पर जनक के राज्य में अकाल पडने पर हर चलाना सीता जन्म, सीता द्वारा धनुष को उठाकर सफाई करने, राजा जनक का सीता की शादी के लिए प्रतीज्ञा करने, अहिल्या उद्धार, विश्वामित्र का जनकपुर पहुंचना, सीता जी द्वारा माता पार्वती की पूजा करने, जनक वाटिका में सीता राम का एक दूसरे को देखने, और राम लक्ष्मण द्वारा नगर दर्शन तक की लीला का मंचन किया गया। आज सीता स्वयंवर की लीला का मंचन किया जायेगा

इस अवसर पर समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों के अतिरिक्त कलाकार और बहुत से गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

156 घंटे महासफाई अभियान का ए.के. शर्मा ने किया शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा 2025 कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर 156 घंटे का महासफाई का आगाज नगर विकास मंत्री ए के शर्मा द्वारा जिला गौतमबुद्धनगर से किया। मंत्री ने 156 घंटे महासफाई अभियान के अवसर पर स्वयं सफ़ाई की शुरुआत की। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद दादरी से अध्यक्ष गीता पंडित, ईओ दादरी शालिनी गुप्ता, सौमित्र सिंह आईईसी एक्सपर्ट, कुणाल किशोर डिविजनल मेरठ, विपिन रुहेला डीपीएम,अरुण बंसल, सोहराब मेवाती एवं समस्त सफाई मित्र उपस्थित रहे।

भाजपा ने आयोजित की संगोष्ठी

भदोही। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जिला कार्यालय ज्ञानपुर में गुरुवार को दो महत्वपूर्ण विषयों पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम को दो सत्रों में विभाजित किया गया, जिसमें दो अलग-अलग मुख्य अतिथि उपस्थित थे।

प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत भारतीय विवाह स्थलों और पर्यटन स्थलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले की कार्यशाला 25 सितंबर को संपन्न हुई और मंडल स्तर की कार्यशालाएँ 28 से 30 सितंबर तक आयोजित होंगी। 7 और 8 अक्टूबर 2025 को प्रेस वार्ता आयोजित होगी जिसमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को आमंत्रित कर आत्मनिर्भर भारत यूथ एम्बेसडर बनाया जाएगा। 1 से 15 नवंबर 2025 तक जिला स्तरीय प्रोफेशनल सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें व्यापारी प्रकोष्ठ, शिक्षा प्रकोष्ठ और शिक्षक सभी शामिल होंगे।

द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि सुरेंद्र चौधरी, राज्यसभा विधान परिषद सदस्य, उपस्थित रहे। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर सभी बूथों पर कार्यक्रम संपन्न होने और उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय केवल एक दूरदर्शी विचारक ही नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक भी थे। उनका एकत्वाद-मानववाद का दर्शन आज भी भारतीय संस्कृति और समाज के हर आयाम में संतुलन और समझ का संदेश देता है।

भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने दोनों सत्रों के मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए मार्ग पर चलते हुए सभी कार्यकर्ता देश और समाज के हित में काम कर रहे हैं।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी, पूर्व जिला महामंत्री सुरेंद्र पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, हौसला प्रसाद पाठक, संतोष पांडेय, कन्हैया लाल मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता नागेंद्र सिंह सहित सभी मंडल अध्यक्ष और सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन जिला महामंत्री रमेश पांडेय ने किया।

विद्यामंदिर क्लासेस ने घोषित किया विद्यामंदिर इंटेलेक्ट क्रेस्ट

100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति और 2.5 करोड़ के नकद पुरस्कार उपलब्ध

नोएडा (चेतना मंच)। आईआईटी-जेईई (मेन व एडवांस्ड), नीट, बोर्ड्स और ओलंपियाड्स की तैयारी में अग्रणी विद्यामंदिर क्लासेस (VMC) ने अपने बहुप्रतीक्षित, सबसे बड़े एवं प्रतिष्ठित परीक्षा विद्यामंदिर इंटेलेक्ट क्रेस्ट (VIQ) 2025 की तारीखों की घोषणा कर दी है। यह परीक्षा 28 सितंबर, 5, 11, 12 और 26 अक्टूबर 2025 को कई स्लॉट्स में आयोजित होगी और इसमें कक्षा 5 से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे।

यह परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में होगी। यह एक राष्ट्रीय स्तर की योग्यता एवं छात्रवृत्ति परीक्षा है, जो विद्यार्थियों को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक और शैक्षणिक क्षमता को आंकने का अवसर देती है। विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सीमित समय तक पंजीकरण निःशुल्क रखा गया है। इस अवसर पर संस्थापक संदीप मेहता (आईआईटी दिल्ली एलुमनस) ने कहा,"VIQ केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि गंभीर छात्रों के लिए शैक्षणिक सफलता की ओर पहला कदम है। इसमें सफल विद्यार्थियों को 100% तक की छात्रवृत्ति और 2.5 करोड़ तक के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। साथ ही, प्रतिभागियों को वर्ष की सबसे कम शैक्षणिक फीस, निःशुल्क ऑफलाइन कक्षाएं, ई-स्टडी मैटेरियल, प्रैक्टिस टेस्ट और मॉक बोर्ड परीक्षाओं का लाभ मिलेगा। ऑफलाइन मोड से पंजीकरण करने वाले विद्यार्थियों को आकर्षक गुडी बैग्स (स्टडी किट्स, वाटर टम्बलर, रिस्टबैंड आदि) भी प्रदान किए जाएंगे। सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिया जाएगा, जबकि टॉपर छात्रों को मैडल, ट्रॉफी और VMC की प्रतिष्ठित बैचों Citadel of E&cellence (COE) तथा Illuminati में प्रवेश का सुनहरा अवसर मिलेगा। विद्यामंदिर क्लासेस हमेशा से अपने अनोखे पैडागॉजी, कठोर टेस्टिंग और समर्पित मेंटरशिप के लिए जानी जाती है।

दो इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दी परिवहन मंत्री ने

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश इंटरनैशनल ट्रेड शो के दौरान वीरवार को एक्सपो सेंटर से परिवहन मंत्री ने दो कंपनियों की इलेक्ट्रिक बसों को नोएडा से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ग्रेटर नोएडा एक्सपो सेंटर में आयोजित उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रेड शो का उद्घाटन किया। इसके पश्चात परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने Ezy.Go एवं Leafee कंपनी की इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भारत सरकार की इलेक्ट्रिक बसों के प्रोत्साहन नीति के तहत नोएडा संभाग में 7 इलेक्ट्रिक बसें रजिस्टर्ड हो चुकी हैं। Ezy.Go के संचालक अनिल दीक्षित ने बताया कि ये बसें नोएडा से हरिद्वार देहरादून व आगरा के लिए संचालित की जाएंगी। हरिद्वार, देहरादून के लिए नोएडा से अभी तक कोई भी इलेक्ट्रिक बसें संचालित नहीं हो रही हैं। इसलिए लोगों की सुविधा के लिए नोएडा से इन बसों का संचालन किया जाएगा। मंत्री ने इलेक्ट्रिक बसों को झंडी दिखाने से पूर्व बसों की पूजा अर्चना की व नारियल तोड़कर इन बसों का शुभारंभ किया।

इस मौके पर डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर हरिशंकर संभागीय परिवहन अधिकारी पीके सिंह, के डी सिंह एवं नोएडा सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन डॉ सियाराम वर्मा मौजूद रहे।

सूचना नीलामी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि दिनांक 30 सितंबर 2025 को थाना सेक्टर 113 नोएडा पर लावारिस वाहन व एमवी एक्ट से संबंधित वाहनों की नीलामी होनी निश्चित हुई है। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित दिनांक पर थाना सेक्टर 113 में पहुंचे।

प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार
थाना सेक्टर 113, नोएडा उप निरीक्षक
कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर
मोबाइल नंबर 8851066516

सैक्टर-49 पार्कों की हालत दयनीय, ओपन जिम रामभरोसे

नोएडा (चेतना मंच)। सैक्टर-49 नौएडा में पार्कों की खराब स्थिति व ओपन जिम की मशीनों के रखरखाव में लापरवाही को लेकर आरडब्ल्यूए सैक्टर-49 नौएडा ने की शिकायत की है।

सैक्टर-49 नौएडा में पार्कों की खराब स्थिति को लेकर आरडब्ल्यूए सैक्टर-49 नौएडा ने कई बार नौएडा प्राधिकरण के हॉर्टिकल्चर विभाग के अधिकारियों से शिकायत की है। हॉर्टिकल्चर विभाग के निदेशक आनन्द मोहन ने आरडब्ल्यूए सैक्टर-49 नौएडा के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आश्वासन भी दिया था कि शीघ्र ही सैक्टर-49 नौएडा में स्थित पार्कों का सौंदर्यीकरण तथा ओपन जिम की मशीनों को ठीक करवा उपयोग लायक बनवा दिया जाएगा किंतु महीनों बीतने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा अभी तक इस हेतु कोई ठोस कार्यवाही अमल में नहीं लाई जा सकी है। पार्कों का अनुरक्षण कार्य देखने वाले ठेकेदार का कार्य भी असंतोषजनक है लेकिन इस पर भी नौएडा प्राधिकरण कोई ध्यान नहीं दे रहा है। नौएडा प्राधिकरण के हॉर्टिकल्चर विभाग की उदासीनता को देखते हुए आरडब्ल्यूए सैक्टर-49 नौएडा ने क्षेत्रीय सांसद डॉ महेश शर्मा को उक्त विषय से अवगत कराया जिसका संज्ञान लेते हुए सांसद महोदय द्वारा नौएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को पत्र जारी कर इस पर कार्यवाही हेतु कहा गया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में पीएम ने गोरखपुर की कौशल्या देवी से किया संवाद

श्री बाबा गोरखनाथ कृपा एमपीओ से जुड़कर लखपति दीदी बन चुकी हैं कौशल्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। डेढ़ साल पहले एक गांव की भौगोलिक सीमा और चंद

हजार रुपयों की आमदनी तक सिमटी कौशल्या देवी की किस्मत सीएम योगी के विजन से चमक गई है। अब उनकी पहचान देशव्यापी होने जा रही है। इसका जरिया बना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में स्थापित श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (एमपीओ)। इस एमपीओ से जुड़कर पशुपालक कौशल्या देवी ने महज डेढ़ साल में करीब चौदह लाख रुपये की आमदनी अर्जित कर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख डाली है। उनकी सफलता को जुलाई माह में मुख्यमंत्री से सराहना मिली थी तो गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी सक्सेस स्टोरी सुनी और खूब शाबासी दी।

गुरुवार को ग्रेटर नोएडा में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखने वाली जिन महिलाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने और उनसे अपनी सफलता की दास्तां सुनाने का अवसर मिला, उनमें गोरखपुर के चौरीचौरा तहसील क्षेत्र की पशुपालक कौशल्या देवी भी शामिल रहीं। कौशल्या, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से स्थापित श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन की शेयरहोल्डर हैं। बकौल कौशल्या देवी, पीएम

मोदी ने बड़ी सहजता से उनका नाम, पता और कार्य के बारे में पूछा। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि श्री बाबा गोरखनाथ कृपा एमपीओ से जुड़ने के बाद उनकी जिंदगी बदल गई है। उन्होंने एमपीओ से जुड़ने के बाद पशुपालन/दुग्ध संग्रह के काम से मिली आर्थिक कामयाबी का जिक्र करने के साथ बताया कि डेढ़ साल में ही वह करीब 14 लाख रुपये का आय अर्जित कर चुकी हैं। संस्था से जुड़ने से पहले उनके पास मात्र दो पशु थे, इनकी संख्या बढ़कर 14 हो चुकी है। कौशल्या के अनुसार, एमपीओ ने नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से करीब छह माह पहले उनके घर गोबर गैस यूनिट भी लगवा दिया है। जब से यह यूनिट लगा है, तबसे उन्होंने गैस सिलिंडर नहीं भरवाया है। रसोई का काम अब इसी से हो जा रहा है। इसके पहले कौशल्या देवी को 12 जुलाई को लखनऊ में पशुपालन से जुड़े एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपना अनुभव साझा करने का अवसर मिला था।

महिला सशक्तिकरण के लिए श्री बाबा गोरखनाथ कृपा एमपीओ का गठन बुंदलेखंड में बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी की सफलता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हुआ है। इस एमपीओ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) धनराज साहनी बताते हैं कि क्रियाशीलता के महज डेढ़ साल में गोरखपुर मंडल की 31 हजार महिलाएं इससे जुड़कर आत्मनिर्भरता की राह पर चल पड़ी हैं। डेढ़ साल में इस एमपीओ का टर्नओवर 115 करोड़ रुपये का है। संस्था से जुड़ी महिलाएं प्रतिदिन करीब 65 हजार लीटर दूध का संग्रह करती हैं। अब तक कुल मिलाकर 93 करोड़ रुपये का भुगतान महिला शेयरहोल्डर्स को किया जा चुका है। एमपीओ से जुड़ी 1841 महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। इस एमपीओ का कार्यक्षेत्र मंडल के चार जिलों गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया और कुशीनगर है। एमपीओ द्वारा 500 से अधिक मिल्क पूलिंग पॉइंट्स के माध्यम से संग्रहित दूध की आपूर्ति मदर डेयरी को की जाती है। लखपति दीदियों के अलावा एमपीओ से जुड़ी अन्य महिलाएं भी औसतन महिलाओं प्रतिमाह सात से आठ हजार रुपये की आय घर बैठे प्राप्त कर रही हैं।

एकात्म मानववाद का दर्शन भारत के विकास मॉडल को प्रेरित करता है : दयाशंकर सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गुरूवार को सेवा पखवाडा कार्यक्रम के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके विचारों और योगदान को याद किया।

इस मौके पर सेक्टर-116 स्थित भाजपा कार्यालय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र शिशोदिया, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, जिलाध्यक्ष नोएडा महेश चौहान सहित अन्य उपस्थित रहे।

वहीं परिवहन मंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद का दर्शन और अंत्योदय का दृष्टिकोण, यानी समाज के अंतिम व्यक्ति को ऊपर उठाना, आज भी भारत के विकास मॉडल को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि ये सिद्धांत समावेशी विकास और राष्ट्र निर्माण के लिए सरकार के दृष्टिकोण में गहराई से समाए हुए हैं। उन्होंनेउकहा कि पं दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि आजादी के बाद भारत का विकास भारतीय संस्कृति पर आधारित होना चाहिए।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक विमला बाथम, बिजेंद्र नगर, सुषमा सिंह, योगेंद्र चौधरी, राकेश शर्मा, डॉ बी एस चौहान, विनोद त्यागी, चंदगीराम यादव, डिंपल आनंद, गणेश जाटव, अमित त्यागी, उमेश त्यागी, गिरजा सिंह, पूनम सिंह,महेश अवाना, ओमवीर अवाना, गिरीश कोटनाला, धर्मेंद्र गुप्ता, विनोद शर्मा, मुकेश शर्मा, रामकिशन यादव, मनीष तिवारी, प्रदीप चौहान, नीरज चौधरी, प्रज्ञा पाठक सुशील शर्मा राजकुमार झा, ओम यादव, राजेंद्र अवाना, रविकांत मिश्रा, एसपी चमोली, एहसान खांन, मनोज चौहान, प्रमोद बहल, भूपेश चौधरी, रामनिवास यादव, अशोक मिश्रा, लोकेश यादव, राहुल शर्मा, कल्लू सिंह, मुक्तानंद प्रधान, विपुल शर्मा, राजीव, उपाध्याय, अमित कुमार त्यागी, नमिता चौबे, राजकुमार बंसल, अरुण चौहान, सुशील अवाना, मोनिका श्रीवास्तव, विपिन कुमार, श्यामू पाठक, सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

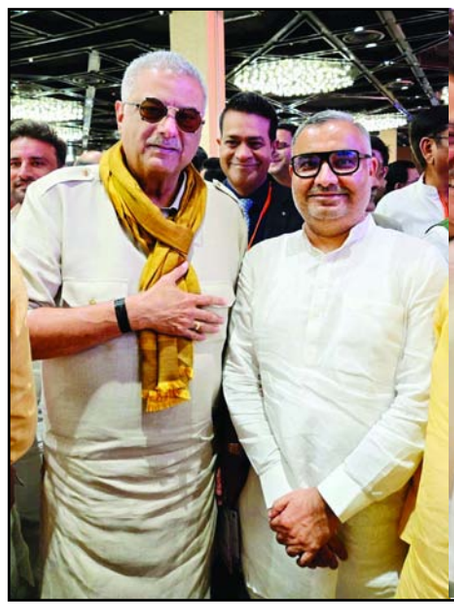

ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो मार्ट में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के उदघाटन के दौरान फिल्म निर्माता बोनी कपूर तथा फिल्म अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ मौजूद भाजपा नेता तथा समाजसेवी पं. रवि कांत मिश्रा आदि।

सदस्यता अभियान को लेकर रालोद ने की समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोक दल, महानगर नोएडा द्वारा सदस्यता अभियान को लेकर समीक्षा बैठक सेक्टर-70 में हुई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष विजेंद्र यादव ने की। बैठक में बतौर डॉ. राजेन्द्र चंदेला (क्षेत्रीय महासचिव), विकास चौधरी (क्षेत्रीय सचिव), सुशील गुर्जर (क्षेत्रीय सचिव)मौजूद थे।

अध्यक्ष किसान मोर्चा नोएडा सोबिंदर अवाना ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल और मजदूरों की पार्टी है और आगामी पंचायत चुनाव पूरे प्रदेश में अकेले ही लड़ेगी। उन्होंने कहा कि आने वाली विधान सभा में भी पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल करेगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज चौधरी, प्रदेश महासचिव हेमा पाठक, मेरठ मंडल अध्यक्ष इंद्रवीर भाटी, युवा महानगर अध्यक्ष एडवोकेट गौरव आज़ाद, युवा जिलाध्यक्ष निशांत भाटी, डॉ. नरेन्द्र तंवर, पवन सिंह, राहुल चौधरी, गंधर्व त्यागी सहित अन्य वरिष्ठ और युवा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। वक्ताओं ने सदस्यता अभियान को गाँव-गाँव और वार्ड-वार्ड तक पहुँचाने का आह्वान किया।

प्रणीत भाटी ने किया प्रधानमंत्री का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में देश के प्रधानमंत्री के आगमन पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री प्रणीत भाटी ने एक्सपो मार्ट में उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया कल देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक्सपोर्ट में शुरू हुए ट्रेड शो मेले का उद्घाटन करने पहुंचे थे इस अवसर पर उन्होंने भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रणीत भाटी न प्रधानमंत्री से मुलाकात की और मुलाकात के बाद प्रणीत भाटी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने देश को आगे बढ़ाने में जो हम भूमिका निभाई है उसकी जितनी सराहना की जाए वह कम है उन्होंने कहा कि आज भारत आत्मनिर्भर हो गया है और देश तक की गिरावट पर अग्रसर है।

पृष्ठ एक के शेष....

आत्महत्या के लिए ...

अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उसकी मौत हो गई थी। इस संबंध में मृतका के भाई की शिकायत पर सीआरपीएफ में तैनात कांस्टेबल सोनू मलिक व उसकी मां शकुंतला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। दर्ज रिपोर्ट में रितु के भाई अंकित तोमर ने उसकी हत्या की आशंका जताई थी। जांच के दौरान पता चला कि रितु ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। उपचार के दौरान उसकी अस्पताल में मौत हुई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रितु को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में उसके पति सोनू मलिक व उसकी मां शकुंतला देवी को लखनावली गांव से गिरफ्तार कर लिया है।

SC/ST छात्रों को...

सरकार ने पिछले वर्ष 60 लाख बच्चों को छात्रवृत्ति दी है। इस बार एक नई बात ये होगी कि जो बच्चे किसी भी कारणवश भले ही वो तकनीकी कारण रहे हों छात्रवृत्ति लेने से वंचित रहे हैं। उन्हें भी इस वर्ष छात्रवृत्ति मिलेगी साथ ही एक ऐसी एप का भी विकास किया जाएगा जिसमें बच्चों को मिलने वाली छात्रवृत्ति की पूरी जानकारी होगी। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि कोई भी बच्चा छात्रवृत्ति से वंचित न रह जाए।

निर्माणाधीन स्कूल...

उन्होंने सीसीटीवी फुटेज लेकर पब्लिक ग्रुप में डाल दी। इस दौरान उन्हें सूचना मिली की फुटेज में देखने वाला युवक गिरधरपुर तिराहे के पास किसी व्यक्ति से बात कर रहा है। इस सूचना पर वह अपने बेटे हर्ष के साथ गिरधरपुर चौराहे पर पहुंचे और युवक को अपने पास बुलाया तो वह भागने लगा। भागने के दौरान वह गिर गया जिससे उसे चोटें भी आई। युवक को पकड़ कर जब उससे पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम सचिन शर्मा पुत्र अनिल शर्मा निवासी गगन एनक्लेव छपरौला बताया। उसने स्कूल से सरिया के टुकड़े, तार व अन्य सामान चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद उन्होंने आरोपी को थाना बादलपुर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

अमेजॉन के डिलीवरी...

उसने आदर्श नागर से पास के क्षेत्र का ऑर्डर देने के लिए कहा तो वह भडक उठा और गाली गलौज करने लगा। उसने जब आर्डर ले जाने से इनकार किया तो आदर्श नागर ने उसे गाली गलौज कर वहां से भगा दिया और बाहर मिलने पर देख लेने की धमकी दी। विकास के मुताबिक इसके बाद वह अमेजॉन के ऑफिस आया तो आदर्श नागर भी पीछा करते हुए वहां पर पहुंच गया। शाम के समय टीवीएस शोरूम के सामने आदर्श नागर व उसके कुछ साथियों ने उसे घेर लिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। मारपीट के दौरान उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया गया। पीड़ित के मुताबिक इस दौरान उसे जाति सूचक शब्दों से संबोधित कर सरेआम अपमानित भी किया गया। मारपीट करने के बाद सभी आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

रेकी के बाद...

तलाशी में उनके पास से दो चाकू बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने अपना नाम जॉनी पुत्र किरण पाल, रोहित पुत्र कालूराम तथा सहदेव पुत्र रवि बताया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने बताया कि उनसे बरामद बाइक चोरी की है इस बाइक को उन्होंने पैरामाउंट सोसायटी से चोरी किया था। तीनों वाहन चोरों ने बताया कि वह रेकी करने के बाद दो पहिया वाहनों को चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देते हैं। सख्ती से पूछताछ करने पर तीनों वाहन चोरों ने स्वीकार किया कि उन्होंने दो और बाइक भी चोरी की हैं। इन बाइकों को उन्होंने झाडियां में छुपा कर रखा हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि वाहन चोरों के निशान देही पर चोरी की दो अन्य बाइकों को भी बरामद किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कल ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आगमन पर स्वगत करते भाजमुयों के जिलाध्यक्ष राज नागर।

रावण-वेदमती संवाद से मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री रामलीला कमेटी, साइट 4 में रामलीला का दूसरा दिन भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रावण-वेदमती संवाद से हुई। अध्यक्ष मंजीत सिंह ने बताया कि आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर मंचन का शुभारंभ किया और उपस्थित सभी को जीवन में श्री राम के चरित्र को अपनाने का संदेश दिया।

महासचिव बिजेन्द्र सिंह आर्य ने कहा कि अयोध्या में राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुधन के जन्म से नगर में खुशी की लहर दौड़ पड़ती है और नगरवासी उत्सव मनाते हैं। कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग ने जनकपुर में राजा जनक द्वारा हल चलाने और सीता जी के जन्म की कथा साझा की। उन्होंने बताया कि अयोध्या में गुरु वशिष्ठ जी द्वारा चारों राजकुमारों का नामकरण संस्कार हुआ और बाद में दशरथ जी ने उन्हें शिक्षा-दीक्षा हेतु वशिष्ठ आश्रम भेजा।

सयुक्त महासचिव सौरभ बंसल ने बताया कि विश्वामित्र जी सुबाहु-मारीच के अत्याचार से परेशान होकर राम-लक्ष्मण को राजा दशरथ के पास लेकर गए। उनके आशीर्वाद से भगवान राम ने ताडका, सुबाहु और मारीच का वध किया। उपाध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने कहा कि कल की लीला में अहिल्या उद्धार, जनकपुरी भ्रमण और गौरी पूजन की लीला का मंचन किया जाएगा।

मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया कि 27 सितंबर को धनुष यज्ञ, लक्ष्मण-परशुराम संवाद और सीता स्वयंवर जैसी लीला का मंचन होगा। इस दिन 50 फीट का धनुष 55 फीट की ऊँचाई पर खंडित किया जाएगा। उन्होंने सभी नगरवासियों से इस भव्य रामलीला को देखने आने का आग्रह किया।

इस अवसर पर सरदार मंजीत सिंह, बिजेन्द्र सिंह आर्य, धर्मपाल भाटी, मनोज गर्ग, सौरभ बंसल, विनोद कसाना, कुलदीप शर्मा, कमल सिंह आर्य, हरेंद्र भाटी, के के शर्मा, अमित गोगल, मुकेश शर्मा, मुकुल गोयल, अरुण गुप्ता, चाचा हिंदुस्तानी, सुनील प्रधान, अतुल जैन, गिरीश जिन्दल, विशाल जैन, मनोज यादव, श्यामवीर भाटी, श्रीचंद भाटी, गजेन्द्र चौधरी, विकास भाटी, रिंकू दीपक, राहुल, अनुज, मोनू, टी पी सिंह, प्रभाकर देशमुख, प्रमोश मास्टर जी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जीएसटी कटौती से मिली राहत विकास की राह भी मजबूत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 स्थित रामपुर मार्केट में गुरुवार को जीएसटी सुधार को लेकर व्यापक जनसंपर्क किया गया।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशोदिया, सांसद डॉ. महेश शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश, जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता, दादरी विधायक तेजपाल नागर, जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा और जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान को लेकर दी गिरफ्तारी, रिहा

नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्थानीय किसानों की समस्याओं और वोट चोरी के मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात का प्रयास किया। साथ ही, 'वोट चोर गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान को आयोजित करने के लिए एक्सपो मार्ट की ओर पैदल मार्च निकाला गया।

कार्यकर्ता जे.पी. ग्रीन गोल चक्कर पर एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़े। इस दौरान पुलिस उपायुक्त शैव्या गोयल ने वार्ता के माध्यम से उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से समझाने का प्रयास किया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि यह ऐतिहासिक अवसर है, जब प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों शहर में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर कांग्रेस

कार्यकर्ता जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज उठाएंगे। उन्होंने स्थल के बाहर 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान के लिए लोगों से हस्ताक्षर करने का आह्वान किया।

गिरफ्तार कांग्रेस नेताओं से मिलने कांग्रेस नेता गौतम अवाना एवं मुकेश यादव भी थाने पहुंचे।

हालांकि, पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण लगभग 70 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन सूरजपुर ले जाया गया। गिरफ्तार कार्यकर्ताओं के मोबाइल जबरन कब्जे में लिए गए और विरोध प्रदर्शन से संबंधित फोटो एवं वीडियो डिलीट किए गए।

गिरफ्तार किए गए कार्यकर्ताओं में जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला, उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, रिजवान चौधरी, निशा शर्मा, महाराज नागर, धर्म सिंह, अरुण भाटी, श्रुति चौधरी, सतपाल चौधरी, आर.के. प्रथम, नीरज लोहिया, कपिल भाटी, धर्मवीर प्रधान, डॉ. रघुराज शर्मा, कैलाश बंसल, अरविंद रेक्सवाल, नरेश शर्मा, सचिन जीनवाल, बिन्नू मेट जी, रमेश प्रधान, रमेश बाल्मीकि, ओमकार राणा, यश भाटी, सुमित अत्तरी, तनवीर, विपिन त्यागी, धीरा सिंह, सचिन भाटी, रंजन सिंह, मोहित भाटी समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। गिरफ्तारी के बाद थाने में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष परमिंदर भाटी पहुंचे और उन्होंने कांग्रेसियों का रिहाई करवाई।

फंड सग्रह अभियान चलाया

नोएडा (चेतना मंच)। पंजाब और अन्य राज्यों में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सीपीआई(एम) के राष्ट्रीय आह्वान के तहत नोएडा में फंड संग्रह अभियान आयोजित किया गया। पार्टी जिला सचिव कामरेड राम सागर के नेतृत्व में सेक्टर-8 और 9 के मार्केट में पार्टी कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा, भरत डेंजर, भीखू प्रसाद, रमाकांत सिंह, अरुण पटेल आदि ने आम जनता से दान जुटाया।

पार्टी नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि देश में प्राकृतिक आपदा के समय बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए पार्टी और जनसंगठन लगातार अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज नोएडा में आयोजित यह फंड संग्रह राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा है।

देवासुर संग्राम से शुरू हुई लीला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री धार्मिक रामलीला कमेटी ने श्री राम की लीला का तीसरा दिन भव्य रूप से मनाया गया।

मंचन देवासुर संग्राम से प्रारंभ हुआ। रावण के अत्याचार से दुखी जनमानस की याचना देखकर भगवान विष्णु ने इस धरा पर अवतरण का वचन दिया। परिणामस्वरूप महाराज दशरथ को पुत्रेष्टि यज्ञ से प्रभु श्री राम और चारों भाई प्राप्त हुए।

दूसरी ओर जनकपुर में महाराज जनक ने हल चलाते समय भूमि से माता सीता की प्राप्ति का दृश्य प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों को प्रभु श्री राम और माता सीता के जयकारे के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि के रूप में श्री रामप्रकाश मावी और विशेष अतिथि आर. के. भारती, महाप्रबंधक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण उपस्थित रहे। मंच पर समिति के

कई वरिष्ठ सदस्य और संरक्षक भी मौजूद थे।

इस अवसर पर मुख्य संस्थापक परम पूज्य गोस्वामी सुशील महाराज, संस्थापक एडवोकेट राजकुमार नागर, पंडित प्रदीप शर्मा, शेर सिंह भाटी, हरवीर मावी, मुख्य संरक्षक नरेश गुप्ता, संरक्षक सुशील नागर, धीरेंद्र भाटी, मनोज गुप्ता, सतीश भाटी, दिनेश गुप्ता, पवन नागर, बालकिशन सफीपुर, धीरज शर्मा, अध्यक्ष आनंद भाटी, महासचिव श्रीमती ममता तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय नागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश शर्मा बदौली, सुभाष भाटी, उमेश गौतम, योगेंद्र भाटी, मनीष डाबर, श्रीमती रोशनी सिंह, चैन पाल प्रधान, मीडिया प्रभारी अतुल आनंद ,उपाध्यक्ष जितेंद्र भाटी, सत्यवीर मुखिया, फिरे प्रधान, पी पी शर्मा, सुनील बंसल, महेश कमांडो, सचिव एडवोकेट विमलेश रावल, श्रीमती ज्योति सिंह, वीरपाल मावी, जयदीप सिंह, श्रीमती गीता सागर, यशपाल नागर, तेजकुमार भाटी उपस्थित रहे।

जनमानस को खुशी का बूस्टर देंगे पीएम : मोदी

जीएसटी दरें घटाने से हर वर्ग में खुशी की लहर : मुकेश प्रधान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कल इंडिया एक्सपोमार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन के लिए आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नोएडा महानगर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष मुकेश प्रधान ने आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुकेश प्रधान का कुशल क्षेम जाना।

ट्रेड शो मेले के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा के जिला उपाध्यक्ष मुकेश प्रधान ने प्रधानमंत्री से मिलने के बाद कहा कि आज प्रधानमंत्री ने जीएसटी सुधारों को जिस तरह से सरल किया है, इससे अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि करों का बोझ घटेगा और लोगों को बजट में बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री का आत्मनिर्भर भारत का मंत्र देशवासियों को काम आएगा। उन्होंने

कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन से जहां आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, वहीं व्यापारियों का उसका संचित लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि करों का जो बोझ प्रधानमंत्री ने हटाया है उससे देश की हर वर्ग की जनता में खुशी तथा हर्ष की लहर व्याप्त है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

दादरी (चेतना मंच)। बूथ संख्या 349, गुर्जर कॉलोनी, शक्ति केंद्र मिहिर भोज इंटर कॉलेज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष श्रीमती संध्या भाटी बैसोया, बूथ अतिथि सुमित बैसोया (नगर मंडल मंत्री भाजपा दादरी) और पन्ना प्रमुख उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उनके जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि वे एक महान चिंतक, दार्शनिक और राष्ट्रनायक थे, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित किया।

विशेष रूप से उनके एकात्म मानववाद को याद किया गया, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली विचारधारा है। उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती मनाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती कल ग्रेटर नोएडा में मनाई गई इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रणीत भाटी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि दी और उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह एक महान चिंतक दार्शनिक और राष्ट्र नायक थे जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्रीय सेवा में समर्पित कर दिया था उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय मानववाद के प्रतीत थे।

भाकियू नेताओं को किया नजर बंद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी एवं प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी को उनके आवास पर ही पुलिस ने नजर बंद कर दिया। मुख्यमंत्री के लौटने के बाद इन दोनों नेताओं को नजरबंदी से हटाया गया। वहीं बलराज भाटी ने कहा कि यह निरंकुशता की हद है। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी ने कहा कि पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पूरी तरह अन्य पपूर्ण रही।

आजम खान की रिहाई पर बंटी मिठाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के नेता चौधरी हसरूद्दीन खान राजपूत ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री आजम खान की 23 महीने के बाद जेल रिहाई पर कल सूरजपुर स्थित सपा कार्यालय में मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की अब कलई खुलने लगी है उन्होंने कहा कि आजम खान की रिहाई से यह साबित हो गया है कि भाजपा सरकार सपा नेताओं पर झूठे मुकदमे लगाकर जेल भेजने का काम कर रही है।

नवचंडी देवी धाम में उपासना से होती है मनोकामना पूरी, मिलने लगे हैं संकेत

खंडवा. मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित नवचंडी देवीधाम एक अत्यंत प्रसिद्ध और चमत्कारी मंदिर है। यह मंदिर आदिशक्ति की उपासना का प्रमुख स्थल है, जहां भक्त बड़ी आस्था और विश्वास के साथ आते हैं। मान्यता है कि मां नवचंडी के दरबार में जो भी अपनी मनोकामना रखता है, मां उसकी हर इच्छा पूरी करती हैं। यही वजह है कि यह मंदिर केवल खंडवा ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों और दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बन चुका है।

खंडवा शहर के रमेश्वर नगर क्षेत्र में स्थित यह मंदिर शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। यहां पहुंचने में भक्तों को कोई कठिनाई नहीं होती क्योंकि यह स्थान शहर से ज्यादा दूरी पर नहीं है। जनश्रुति है कि इस मंदिर की स्थापना वर्षों पूर्व एक भक्त की श्रद्धा और भक्ति से हुई थी। धीरे-धीरे मंदिर का विस्तार हुआ और आज यह एक सिद्धपीठ के रूप में जाना जाता है।

मां नवचंडी की महिमा

यह मंदिर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था से जुड़ा हुआ है। भक्तों का विश्वास है कि मां नवचंडी के दरबार में सच्चे मन से जो भी प्रार्थना की जाती है, उसका फल अवश्य मिलता है। जब किसी भक्त की इच्छा पूरी हो जाती है, तो वह यहां विशेष पूजा-अर्चना करके मां को धन्यवाद अर्पित करता है। कुछ लोग माता के दरबार में ध्वजा या चुनरी चढ़ाकर आभार व्यक्त करते हैं। माना जाता है कि यदि किसी की मनोकामना पूर्ण हो जाती है, तो उसे किसी न किसी रूप में संकेत अवश्य मिलता है, जैसे- जीवन में अचानक सुख-समृद्धि आना या किसी लंबे समय से रुके कार्य का पूर्ण होना।

नवरात्रि और मेले का महत्व

नवरात्रि के दिनों में यहां विशेष उत्सव का आयोजन किया जाता है। 9 दिनों तक माता की विशेष पूजा, हवन और भजन-संकीर्तन होते हैं। भक्तजन सुबह से देर रात तक दर्शन के लिए उमड़ते हैं। मंदिर परिसर दीपों से जगमगाता है और वातावरण में भक्ति की गूंज सुनाई देती है। इसके अलावा यहां हर साल एक विशाल मेला भी आयोजित होता है, जो बसंत पंचमी से लेकर माघ पूर्णिमा तक चलता है। इस मेले में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, झूले, मेले की दुकानें और रात्रि जागरण भी आयोजित होते हैं। हजारों श्रद्धालु इस अवसर पर यहां पहुंचते हैं और पूरे क्षेत्र का वातावरण मां के जयकारों से गूंजता है।

मंदिर परिसर और अन्य स्थल

नवचंडी देवी मंदिर के साथ-साथ परिसर में अन्य देवी-देवताओं के भी छोटे मंदिर बने हुए हैं। यहां शिवजी, काली माता और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित हैं। नवरात्रि के दौरान पूरा परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहता है। मंदिर के चारों ओर का खुला मैदान बड़े आयोजनों और मेले के लिए विशेष रूप से उपयुक्त माना जाता है।

मंदिर की कहानियां और लोकश्रुतियां

स्थानीय लोगों के बीच कई कहानियां प्रचलित हैं। कहा जाता है कि किसी भक्त ने कठिन समय में यहां माता से मनोकामना मांगी और मां ने उसे संकट से उबारा। तभी से इस स्थान को सिद्धपीठ के रूप में मान्यता मिलती गई। ऐसी भी मान्यता है कि यहां आने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता।

आस्था और विश्वास का प्रतीक

खंडवा का नवचंडी देवीधाम केवल एक मंदिर नहीं बल्कि आस्था और विश्वास का प्रतीक है। यह वह स्थान है जहां भक्त अपने दुख-दर्द लेकर आते हैं और मां की कृपा से हल्का महसूस करते हैं। खासकर नवरात्रि के दिनों में यहां आने का अनुभव भक्तों के लिए अविस्मरणीय होता है। श्रद्धालु कहते हैं कि मां के दरबार से उन्हें न सिर्फ आत्मिक शांति मिलती है बल्कि जीवन की कठिनाइयां भी दूर होती हैं।

मां दुर्गा का पांचवा स्वरुप स्कंदमाता

मां दुर्गा का पांचवा स्वरूप स्कंदमाता है, इनकी अराधना से संतान और धन की प्राप्ति होती है। इनकी पूजा से मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है। यह देवी विद्वानों और सेवकों को पैदा करने वाली शक्ति है। यानी चेतना का निर्माण करने वालीं।

नवरात्र का पांचवा दिन मां स्कंदमाता के नाम होता है। मां के हर रूप की तरह यह रूप भी बेहद सरस और मोहक है। स्कंदमाता अपने भक्त को मोक्ष प्रदान करती है। चाहे जितना भी बड़ा पापी क्यों ना हो अगर वह मां के शरण में पहुंचता है तो मां उसे भी अपने प्रेम के आंचल से ढ़क लेती है। मां अपने भक्त के सारे दोष और पाप को दूर कर देती है। मां स्कंदमाता की पूजा नीचे लिखे मंत्र से आरंभ करनी चाहिए। नवरात्र के नौ दिन दुर्गा मां के भक्तों के लिए अपने नौ ग्रहों को शांत कराने का अहम मौका होता है। नवरात्र के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा होती है। वात्सल्य की प्रतिमूर्ति मां स्कंदमाता भगवान स्कंद को गोदी में लिए हुए हैं और इनका यह रूप साफ जाहिर करता है कि यह ममता की देवी अपने भक्तों को अपने बच्चे के समान समझती हैं। साथ ही मां स्कंदमाता की पूजा करने से भगवान स्कंद की पूजा भी स्वतः हो जाती। इस देवी की चार भुजाएं हैं। यह दायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बायीं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है।

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वालीं स्कंदमाता। नवरात्रि में पाँचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। इस देवी की चार भुजाएं हैं।

यह दायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बायीं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है। इनका वर्ण एकदम शुभ्र है। यह कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। इसीलिए इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। सिंह इनका वाहन है।

शास्त्रों में इसका पुष्कल महत्व बताया गया है। इनकी उपासना से भक्त की सारी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। भक्त को मोक्ष मिलता है। सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कांतिमय हो जाता है। अतः मन को एकाग्र रखकर और पवित्र रखकर इस देवी की आराधना करने वाले साधक या भक्त को भवसागर पार करने में कठिनाई नहीं आती है। उनकी पूजा से मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है। यह देवी विद्वानों और सेवकों को पैदा करने वाली शक्ति है। यानी चेतना का निर्माण करने वालीं। कहते हैं कालिदास द्वारा रचित रघुवंशम महाकाव्य और मेघदूत रचनाएं स्कंदमाता की कृपा से ही संभव हुईं। सिंहसनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।

घर में सुख-शांति के लिए नवरात्रि में हवन कराना क्यों माना जाता है शुभ?

हर साल अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत होती है। इस वर्ष भी यह पावन पर्व 22 सितंबर से शुरू हो चुका है, जिसमें मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। इन नौ दिनों के दौरान मां दुर्गा की पूजा, व्रत और भक्ति का विशेष महत्व है, लेकिन इस पूरे अनुष्ठान को हवन के बिना अधूरा माना जाता है। खासकर अष्टमी या नवमी तिथि पर किया जाने वाला हवन घर में सु ख - शां ति , समृद्धि और सकारात्मक लाने का सबसे शुभ और शक्तिशाली माध्यम माना गया है।

आइए, जानते हैं कि नवरात्रि में हवन कराना क्यों इतना शुभ माना जाता है।

नवरात्रि में हवन का महत्व

देवी-देवताओं तक भोग पहुंचानाः हिंदू धर्म में अग्नि को देवताओं का मुख माना गया है।

ऐसी मान्यता है कि हवन कुंड में समर्पित की गई आहुतियां (घी, हवन सामग्री आदि) सीधे देवी-देवताओं तक पहुंचती हैं। नवरात्रि में मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए हवन अनिवार्य है।

मनोकामनाओं की पूर्तिः हवन में विशेष मंत्रों के साथ आहुति देने से एक विशिष्ट ऊर्जा उत्पन्न होती है। माना जाता है कि मां दुर्गा इससे प्रसन्न होकर भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं और उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।

नकारात्मक ऊर्जा का नाशः हवन की पवित्र अग्नि और मंत्रों के उच्चारण से उत्पन्न शक्ति घर और जीवन से नकारात्मक ऊर्जा, बुरी शक्तियों और भय का नाश करती है, जिससे परिवार में शांति और प्रेम का वास होता है।

भूल-चूक के लिए क्षमाः नौ दिनों की पूजा में यदि कोई भूल या त्रुटि हो गई हो, तो हवन के माध्यम से देवी से क्षमा याचना की जाती है, जिससे पूजा का संपूर्ण फल प्राप्त होता है।

कब करें हवन?

नवरात्रि में हवन करने के लिए अष्टमी (दुर्गाष्टमी) और महानवमी का दिन सबसे शुभ माना जाता है।

कई भक्त महाष्टमी के दिन हवन और कन्या पूजन करते हैं, तो कई नवमी के दिन इन अनुष्ठानों को पूरा करके व्रत का पारण करते हैं। शास्त्रों के अनुसार, कन्या पूजन और हवन के बाद ही नवरात्रि का व्रत पूर्ण माना जाता है।

कन्या पूजन : सिंदूर-कलावे से शुरुआत, चुनरी-दक्षिणा से समापन

नवरात्रि में कन्या पूजन का खास महत्व बताया गया है। कहते हैं कि बिना कन्या पूजन के नवरात्रि अधूरी होती है। नवरात्र के समय कुमारी कन्या पूजन से मां दुर्गा बेहद प्रसन्न होती हैं और जातक के घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है। दरअसल, कन्याओं को माता दुर्गा का रूप माना गया है, इसलिए नवरात्रि में कन्या पूजन का खास महत्व बताया गया है। लेकिन कई भक्त इस उलझन में रहते हैं कि कुंवारी कन्या पूजन किस तारीख को करनी चाहिए और कैसे करना चाहिए। तो आइए देवघर के ज्योतिषाचार्य से जानते हैं कि नवरात्रि में कुंवारी कन्या पूजन कब और कैसे करें?

जरूर करना चाहिए कन्या पूजन

देवघर के पागल बाबा आश्रम स्थित मुद्गल ज्योतिष केंद्र के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित नंदकिशोर मुद्गल ने लोकल 18 के संवाददाता से बातचीत करते हुए कहा कि 22 सितंबर से नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है और 2 अक्टूबर तक नवरात्रि चलने वाली है। इन दिनों माता दुर्गा के 9 रूप की पूजा पूरी विधि से नौ दिनों तक की जाएगी।

ऐसा करने से घर से नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं और सुख-समृद्धि बढ़ती है। साल भर मां दुर्गा की

कृपा बरसती है। जो जातक अपने घर में नवरात्रि करते हैं या फिर दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं, वे नवरात्रि में कुंवारी कन्या पूजन जरूर करें, तभी पूजा का शुभ फल मिलेगा।

कब करें कन्या पूजन

लोग अपने-अपने तरीके से दुर्गा पूजन और कुंवारी कन्या पूजन करते हैं। कई भक्त ऐसे हैं जो प्रतिपदा से लेकर नवमी तक कन्या पूजन करते हैं। कुछ लोग सिर्फ अष्टमी और नवमी को ही कुंवारी कन्या पूजन करते हैं। यह दोनों तरीके सही हैं। जो जातक रोज नहीं कर पाते हैं, वे अष्टमी और नवमी के दिन कन्या पूजन जरूर करें।

किस विधि से करें पूजा

कुंवारी कन्या पूजन अष्टमी और नवमी के दिन करें। इसमें एक बटुक का होना जरूरी है। सबसे पहले कन्याओं के पैर धोएं, फिर उन्हें आसन पर बिठाएं। इसके बाद कलावा (पवित्र धागा) बांधें, माथे पर लाल कुमकुम लगाएं। इसके बाद पूड़ी, काले चने, नारियल और हलवा भोग के रूप में खिलाएं। फिर पैर छूकर कन्याओं का आशीर्वाद लें।

ऐसे करें विदाई

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि कन्या पूजन के बाद कन्याओं को ऐसे ही विदा न करें। सभी कन्याओं को पूजन के बाद पान खिलाएं। उसके बाद फल और दक्षिणा जरूर दें। साथ में श्रृंगार का सामान और लाल चुनरी देकर ही विदा करें। ऐसा करने से माता दुर्गा बेहद प्रसन्न होती हैं और जातक के जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ती है। घर से नकारात्मक शक्ति खत्म हो जाती है।

450 साल पुराने रानी तालाब मंदिर की अनसुनी कहानी

नवरात्रि 2025। भारत में कई ऐसे दैवीय स्थल और दिव्य धाम हैं, जिनके अलग-अलग किस्से और कहानियां हैं जो इन्हें और भी ज्यादा अद्भुत और अकल्पनीय बनाते हैं। एक ऐसा ही दिव्य धाम मध्य प्रदेश के रीवा में स्थित है। यहां पर 450 साल पुराना मां कालिका का रानी तालाब धाम है। इस धाम से जुड़े कई रोचक किस्से हैं, जिससे इस धाम की मान्यताएं और बढ़ जाती है। शारदीय नवरात्रि और चैत्र नवरात्रि के समय इस धाम में आस्था, विश्वास, आराधना और भक्ति का विशाल सैलाब उमड़ता है। सिद्धि प्राप्ति के लिए भक्त यहां 9 दिनों तक देवी की आराधना करते हैं।

नवरात्रि में सजा मां कालिका का दिव्य दरबार

रीवा के रानी तालाब में स्थित मां कालिका देवी के मंदिर में नवरात्रि के अवसर पर भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है। 450 वर्ष पुराने मां कालिका मंदिर की मान्यता है कि ज्योतिष गणना पर आधारित इस सिद्धपीठ में नवरात्रि में आराधना से लोगों को सिद्धि प्राप्त होती है। नवरात्रि के दिनों में लगातार यहां पर भक्तों का तांता लगा रहता है। इसके अलावा साल के 365 दिन श्रद्धालु इस अलौकिक धाम में आकर मां कालिका के चरणों में अपना शीश झुकाते है। मान्यता है कि यहां आने वाले भक्तों की हर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

प्रतिमा की स्थापना से जुड़ा है रोचक किस्सा

मां कालिका की प्रतिमा स्थापना के पीछे एक रोचक किस्सा बताया जाता है कि तकरीबन 450 साल पहले यहां जंगल हुआ करता था। उस समय घुमक्कड़ समुदाय के लोग बैलगाड़ी पर सवार होकर

इसी रास्ते से गुजरते थे। उनके पास देवी की एक दिव्य प्रतिमा थी, जिसके बारे में मान्यता थी कि यह जहां रख दी जाएगी वहीं हमेशा के लिए स्थापित हो जाएगी। घुमक्कड़ समुदाय के लोग यहां रात्रि विश्राम के लिए रुके थे।

पहाड़ नुमा जिस टीले पर मां कालिका की प्रतिमा विराजमान है। उसी स्थान पर एक इमली का वृक्ष हुआ करता था। घुमक्कड़ समुदाय के लोगों ने विश्राम के दौरान भूलवश अपने साथ लाई हुई मां कालिका की प्रतिमा को उसी इमली के वृक्ष पर टिका कर रख दिया। विश्राम के बाद जब वह उठकर जाने लगे तब उन्होने मां की प्रतिमा को उठाया मगर प्रतिमा नहीं उठी। तब से लेकर आज तक मां कालिका यह अद्भुत प्रतिमा उसी स्थान पर विराजमान है।

मंदिर के प्रधान पुजारी के मुताबिक "इस मन्दिर का निर्माण महाराजा भाव सिंह की धर्मप्रिय महारानी अजब कुमारी ने कराया था। दरअसल, एक बार लवाना प्रजाति के लोग यहां ठहरे थे। पानी की कमी को देखते हुए उन्होंने मां कालिका मंदिर के ठीक सामने विशाल तालाब की खुदाई कर डाली। उसके कुछ दिनों बाद ही रक्षाबंधन का पर्व आया और रीवा रियासत की राजकुमारी कुंदन कुमारी पूजा-अर्चना करने मंदिर आईं। वे पानी से लबालब तालाब को देखकर प्रसन्न हो गईं। लावाना प्रजाति के लोगों ने महारानी से मांग की कि आप हमारी कलाइयों में राखी बांध दीजिए। महारानी ने राखी बांधी और लावाना लोगों ने महारानी को वो तालाब भेंट कर दिया। तभी से इस धाम को रानी का तालाब कहा जाने लगा।"

संतान प्राप्ति की लिए रघुराज सिंह ने किया था अनुष्ठान

रीवा राजघराने से जुड़ी एक और रोचक कहानी है। दरअसल, महाराजा विश्वनाथ सिंह के पुत्र रघुराज सिंह को संतान प्राप्ति नहीं हो रही थी। तब राजपरिवार ने यहां पूजा-अर्चना की और माता से आशीर्वाद में एक संतान की मांग की। कहा जाता है कि मां ने महाराज के स्वप्न में आकर कहा था कि मां (मेरा) का श्रृंगार करो, तुम्हें अवश्य संतान प्राप्ति होगी। इसके बाद महाराजा विश्वनाथ सिंह ने हीरे से जड़ित स्वर्ण आभूषण बनवाएं और मां कालिका के चरणों मे अर्पित किए। जिसके कुछ समय बाद ही महाराजा की मनोकामना पूर्ण हुई और उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। राजघराने से आते थे मां के श्रृंगार के लिए आभूषण इस घटना के बाद से प्रत्येक शारदीय और चैत्र नवरात्रि में रीवा रियासत के किले से देवी के श्रृंगार के लिए आभूषण आते थे। यह परंपरा कई वर्षों तक चली थी। बाद में प्रशासन ने मंदिर की देखरेख का जिम्मा संभाल लिया और अब हर साल नवरात्रि के मौके पर प्रशासन की तरफ से मां कालिका के श्रृंगार के लिए गहने लाए जाते हैं। बाद में उसे प्रशासन की देखरेख में वापस जमा कर दिया जाता है। नवरात्रि के दिनों में यहां भव्य मेले का भी आयोजन होता है।

सलमान ने जताई पिता बनने की इच्छा

एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना और काजोल के टॉक शो 'टू मच' के पहले एपिसोड में आमिर खान और सलमान खान पहुंचे। शो में दोनों ने अपने करियर, निजी जिंदगी और दोस्ती पर बात की। आमिर ने बताया कि सलमान से उनकी बॉन्डिंग शुरू में अच्छी नहीं थी। उन्होंने कहा, "उस वक्त मुझे लगता था कि भाई (सलमान) टाइम पर नहीं आता। 'अंदाज अपना अपना' की शूटिंग में हमें बहुत दिक्कत होती थी। वहीं, सलमान ने भी अपने निजी अनुभव शेयर किए।

उन्होंने रिश्तों पर कहा, "जब एक पार्टनर दूसरे से ज्यादा ग्रो करता है, तभी फर्क आना शुरू होता है। तब इन सिक्योरिटी आने लगती है। दोनों को साथ ग्रो करना चाहिए। दोनों को एक-दूसरे की पीठ से हटना चाहिए। मैं यही मानता हूं।" आमिर ने जब पूछा कि उनके रिश्ते क्यों नहीं चले तो सलमान ने कहा, "यार नहीं जमा तो नहीं जमा। अगर नहीं चला तो बस नहीं चला। अगर किसी को ब्लेम करना है तो वो मैं हूं।" इसी शो में सलमान ने पेरेंटहुड को लेकर कहा, बच्चे तो होंगे ही, जल्दी ही होंगे। बस वक्त आने दो, फिर देखेंगे। बता दें कि ट्विंकल खन्ना और काजोल का शो 'टू मच' 25 सितंबर से प्राइम वीडियो पर आना शुरू हुआ है। हर गुरुवार शो के नए एपिसोड आएंगे।

पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा विवादों में फंसी

फेमस पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा नए विवाद में फंस गई हैं। उनकी नई फिल्म के ट्रेलर में सोनम बाजवा को शराब पीते और हाथ में सिगरेट पकड़े हुए दिखाया गया है। जिसको लेकर पंजाब कलाकार मंच ने सवाल खड़े किए हैं। मंच के सरपरस्त सुखमिंदरपाल सिंह ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार और सेंसर बोर्ड को पत्र लिखकर फिल्म बैन करने की मांग की है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी मेंबर ने भी धूम्रपान को प्रमोट करने पर एतराज जताया है। एक हफ्ते पहले नई पंजाबी मूवी निक्का जैलदार-4 का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें सोनम बाजवा के अलावा एमी विर्क भी मुख्य भूमिका में हैं। इसमें सोनम बाजवा को शराब की आदी बहू के रूप में दिखाया गया है। करीब 3 मिनट के ट्रेलर में सोनम बाजवा को कई बार शराब पीते हुए दिखाया गया है।

इसके अलावा एक सीन में उसके हाथ में सिगरेट भी है। जिसको लेकर ही विरोध शुरू हुआ है। पंजाब कलाकार मंच के सरपरस्त सुखमिंदरपाल सिंह ने कहा कि जिन कलाकारों ने बाढ़ में मदद की, हमने उनकी तारीफ की। मगर, कुछ कलाकार अच्छा करते- करते मर्यादा का उल्लंघन कर रहे हैं। सोनम बाजवा को सिख परिवार की बहू के तौर पर सिगरेट पकड़े हुए दिखाया गया है। यह सिख महिलाओं और सिख सिद्धांतों का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस बारे में केंद्र और सेंसर बोर्ड को शिकायत दे दी गई है।

पंजाबी सिंगर-एक्टर दिलजीत ने मैच पर सवाल उठाए

पंजाबी सिंगर एवं एक्टर दिलजीत दोसांझ ने सरदार जी 3 फिल्म विवाद पर पहली बार खुलकर बात की है। इसके साथ-साथ उन्होंने भारत-पाक के बीच हुए मैच पर भी सवाल उठाए हैं। दिलजीत इन दिनों में मलेशिया में अपने ओरा टूर पर हैं। उनका पहला शो बीती रात (24 सितंबर) को हुआ। उन्होंने कहा- "वो मेरे देश का झंडा है, हम सब इंडिया हैं।

जब मेरी फिल्म आई थी सरदार जी, वह फरवरी में बनी थी, तब सभी मैच खेल रहे थे। लेकिन जो बहुत ही दुखदाई घटना हुई पहलगाम की, हमने निंदा की। तब भी अरदास की, आज भी अरदास करते हैं कि जिन्होंने भी हमला किया, उन्हें सख्त से सख्त सजा मिले। हम अपने देश के साथ हैं। लेकिन जो ये अब मैच (भारत-पाक) हुए हैं, इसका और मेरी फिल्म का फर्क बहुत है। दिलजीत ने कहा कि हमारी फिल्म पहले शूट हुई थी, मैच बाद में। नेशनल मीडिया का जोर लग गया, दिलजीत दोसांझ को देश के खिलाफ दिखाने के लिए। लेकिन पंजाबी और सरदार कभी देश के खिलाफ नहीं जा सकते।

अमृता राव को मिला था खून से लिखा लेटर

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमृता राव ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि एक शख्स ने उन्हें खून से लेटर लिखा था। गौरतलब है कि फिल्म 'इश्क विश्क', 'मैं हूं ना' और 'विवाह' में अमृता राव के रोल को अभी याद भी किया जाता है। हाल ही में रणवीर अल्लाहबादिया के साथ बातचीत में अमृता ने बताया कि इन फिल्म के बाद उन्हें शादी के बहुत सारे प्रपोजल्स मिले थे।

उन्होंने कहा, "विवाह के बाद मुझे लोगों के प्रपोजल्स मिलने लगे। लोग अपने परिवार के साथ, कार और कुत्ते के साथ तस्वीरें भेजते और कहते थे 'मुझसे शादी कर लो।' यह सिर्फ एक या दो नहीं, कई बार हुआ। मैं हंसकर सोचती, 'कौन लोग हैं ये! अमृता ने यह भी बताया कि कई लोगों ने उन्हें लेटर भी लिखे और एक बार उन्हें खून से लिखा खत मिला था। अमृता ने कहा, "यह बहुत डरावना था। एक शख्स मेरे घर के बाहर टेलीफोन बूथ पर खड़ा रहता था। मेरे माता-पिता को फोन उठाना पड़ता था। यह बहुत ज्यादा हो गया था।"

'दिव्या भारती का होगा पुनर्जन्म

बॉलीवुड की दिवंगत एक्ट्रेस दिव्या भारती को लेकर हाल ही में उनकी सेकेंड कजिन और एक्ट्रेस कायनात अरोड़ा ने कई बातें शेयर कीं। कायनात ने दिव्या की मां मीता भारती को याद करते हुए कहा, "मीता मॉम ने मुझे बहुत सपोर्ट किया। जब मैं बॉम्बे आई, तो उन्होंने मुझे कहा कि कायनात, मेरी बेटी वापस आ गई है। मैंने पूछा ऐसा क्यों कह रहे हैं, तो उन्होंने बताया कि दिव्या की कुंडली में अल्पायु योग था।" कायनात ने बताया कि एक पंडित जी ने दिव्या की कुंडली देखकर यह कहा था कि 8–9 साल की उम्र में उनकी सुरक्षा के लिए पूजा पाठ शुरू करना जरूरी है। कुंडली के अनुसार 18 साल की उम्र के बाद कुछ खतरा हो सकता था।

उन्होंने आगे कहा कि मीता मॉम ने लगातार पूजा पाठ करवाई। एक दिन, दो दिन, तीन दिन, एक महीना, दो महीने जो भी रिचुअल थे, उसके हिसाब से पूजा की गई। हालांकि, कुछ समय बाद पूजा रोक दी गई। फिर दिव्या ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और मीता मॉम उनके साथ ट्रेवल करने लगीं।

कायनात ने यह भी बताया कि दिव्या की मां ने उन्हें बताया था कि दिव्या की मौत के बाद उन्होंने भविष्यवाणी करने वाले पंडित जी को ढूंढा और उनसे कहा, "पंडित जी, आपने जो पहले भविष्यवाणी की थी, वह सच साबित हो गई। अब मैं क्या करूं?" इस पर पंडित जी ने कहा था कि वह वापस आएंगी और पुनर्जन्म के जरिए लौटेंगी। दिव्या भारती ने बहुत ही कम समय में कई फिल्मों में काम किया था। उन्होंने शोला और शबनम, 'दीवाना' और 'दिल ही तो है' जैसी फिल्मों में भी काम किया। वहीं दिव्या भारती की मौत 5 अप्रैल 1993 को हुई थी, वह केवल 19 साल की थीं।

रैपर बादशाह की आंख में चोट लगी

ग्लोबल पॉप और हिप-हॉप स्टार बादशाह की आंख में चोट लग गई है। बादशाह ने खुद इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कर फैंस को इसकी जानकारी दी। पहली तस्वीर में उनकी सूजी आंख और बिगड़ा हुआ चेहरा दिख रहा है। दूसरी तस्वीर में उनकी आंख पर पट्टी बंधी हुई है। वहीं मंगलवार (23 सितंबर) को बादशाह का नया पार्टी गाना 'कोकैना' रिलीज हो गया है। यह गाना सारेगामा म्यूजिक ने जारी किया है और इसमें बादशाह के साथ पंजाबी सिंगर सिमरन कौर ढडली और एक्ट्रेस नताशा भारद्वाज भी हैं। गाने के रिलीज होने के 24 घंटे में ही इस गाने को 9 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। गाने में बादशाह का म्यूजिक और आवाज दोनों शामिल हैं।

बादशाह ने अपनी चोट के बारे में इंस्टाग्राम पर जानकारी दी। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा कि उनकी आंख "अवतार जी के मुक्के जैसा" लग रही है। उन्होंने पोस्ट में #बदमाश और #कोकैना जैसे हैशटैग भी लगाए और सितंबर 2025 में आने वाले अपने नए गाने की झलक दिखाई। फैंस ने उनकी चिंता जताई और जल्दी ठीक होने की दुआ की। बादशाह अपने हिट गाने 'बावला' को लेकर कानूनी विवाद में फंसे हैं। करनाल की यूनिसिस इंफोसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने उन पर आरोप लगाया है कि गाना पूरा होने और रिलीज होने के बाद भी उन्हें पूरी रकम नहीं मिली। कंपनी का कहना है कि बादशाह और उनकी एजेंसी पर करीब 2 करोड़ 88 लाख रुपए का बकाया है।

निधन से पहले हर साल इतने करोड़ कमाती थीं श्रीदेवी

श्रीदेवी ने महज 4 साल की उम्र में फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में काम करना शुरू कर दिया था। फिर बड़ी होने पर साउथ की फिल्मों में लीड एक्ट्रेस के रूप में काम किया। इसके बाद बॉलीवुड का रुख किया था। बॉलीवुड में उन्हें साल 1983 की फिल्म 'हिम्मतवाला' से पहचान मिली थी। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। खूब शोहरत के साथ ही उन्होंने खूब दौलत भी कमाई थी। आइए आज जानते हैं कि आखिर श्रीदेवी अपने पीछे कितने करोड़ की संपत्ति छोड़कर गई थीं? श्रीदेवी को हिंदी सिनेमा की पहली लेडी सुपरस्टार कहा जाता था। हालांकि वो अब इस दुनिया में नहीं हैं। इस दिग्गज अदाकारा का साल 2018 में निधन हो गया था। श्रीदेवी कभी बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस होने के साथ ही टॉप रईस अभिनेत्री भी थीं। आइए आज जानते हैं कि श्रीदेवी कितने करोड़ की नेटवर्थ की मालकिन थीं?

श्रीदेवी ने इस दुनिया को 54 साल की उम्र में अलविदा कहा था। उन्होंने बॉलीवुड में एक अमिट पहचान बनाई थी। उनकी बेहतरीन फिल्मों में 'नगीना', 'खुदा गवाह', 'मिस्टर इंडिया', 'जुदाई', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'चांदनी', 'लाडला', 'सदमा', 'मवाली', 'कर्मा', 'मेरी बीवी का जवाब नहीं', 'मॉम' और 'चालबाज' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। उन्होंने हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम और तेलुगू भाषा की करीब 300 फिल्में की थीं। श्रीदेवी ने अपने लंबे और सफल करियर में अमिताभ बच्चन, मिथुन चक्रवर्ती, ऋषि कपूर, सनी देओल, अनिल कपूर, विनोद खन्ना, जैकी श्रॉफ और संजय दत्त से लेकर सलमान खान, अक्षय कुमार और शाहरुख खान जैसे कई दिग्गजों संग स्क्रीन शेयर किया।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में बढ़ सकती हैं शिल्पा शेट्टी की मुश्किलें

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी जाने-अनजाने किसी ना किसी विवाद का हिस्सा बन ही जाती हैं। अब एक्ट्रेस राज कुंद्रा की 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में मुसीबत में फंसती नजर आ रहीं हैं। उनसे 15 करोड़ रुपए के लेन-देन को लेकर सवाल-जवाब किए जा सकते हैं। एक्ट्रेस को जल्द ही इस केस की इनवेस्टिगेशन कर रहे ईओडब्ल्यू की तरफ से समन किया जा सकता है और इस धोखाधड़ी को लेकर पूछताछ की जा सकती है। बता रहे हैं कि इस केस में क्या-क्या अपडेट आया है। राज कुंद्रा की 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में नया मोड़ सामने आया है। इस मामले में अब शिल्फा शेट्टी का नाम भी सीधे तौर पर जुड़ता नजर आ रहा है। रिपोर्ट्स में ऐसा सुनने में आया है कि राज कुंद्रा ने इन 60 करोड़ रुपए में से 15 करोड़ रुपए अपनी पत्नी और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी की कंपनी के बैंक खाते में सबमिट किए थे। अब इस मामले में ही शिल्पा से पूछताछ की तैयारी चल रही है। सूत्रों की मानें तो मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) इस मामले में कभी भी शिल्पा शेट्टी को समन कर सकती है और अपनी पूछताछ को आगे बढ़ा सकती है।

शिल्पा से होंगे तीखे सवाल

इस इंक्वायरी के पीछे तर्क ये दिया जा रहा है कि किसी भी साधारण विज्ञापन के लिए इतना कपड़ा ट्रॉन्सफर नहीं किया जा सकता है। ऐसे में इस बात का पता लगाना जरूरी हो गया है कि अचानक से 15 करोड़ रुपए ट्रॉन्सफर करने का क्या मतलब था और इसके पीछे का उद्देश्य क्या था। ऐसे में शिल्पा को कुछ तीखे सवालों का भी सामना करना पड़ सकता है।

एकता कपूर-बिपाशा बसु से पूछताछ

इससे पहले 60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में राज कुंद्रा से लंबी पूछताछ की गई थी। इसके बाद बालाजी टेलिफिल्म्स की प्रोड्यूसर एकता कपूर से भी पूछताछ का नाम सामने आया था। उनके साथ ही बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धुपिया और बिपाशा बसु से भी पूछताछ की बात सामने आई थी। उनपर आरोप था कि राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी की इस कंपनी में इन वेल नोन पर्सनालिटीज ने भी अपने प्रोडक्ट्स का प्रमोशन किया था।

महेश बाबू के 1000 करोड़ी एक्टर के साथ करीना मचाएंगी धमाल

शुरू हो गई बड़ी तैयारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान अब भी लगातार काम कर रही हैं। उनके खाते में कुछ फिल्में हैं, जिनका वो शूट खत्म कर चुकी हैं, तो कुछ का बाकी रह गया है। कुछ वक्त पहले वो 'द बकिंघम मर्डर्स' और अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' में नजर आईं। अब करीना कपूर के हाथ एक बड़ी पिक्चर लग गई है। जिसकी वो शूटिंग भी शुरू कर चुकी हैं। जिस फिल्म को जंगल पिक्चर्स और पेन स्टूडियो वाले प्रोड्यूस कर रहे हैं। जबकि,

मेघना गुलजार इस पिक्चर की डायरेक्टर हैं। दरअसल करीना कपूर खान ने इस फिल्म के लिए टॉप मलयालम एक्टर से हाथ मिलाया है। जिस एक्टर के साथ करीना कपूर काम करने वाली हैं, वो हैं पृथ्वीराज सुकुमरान। जो अपने दमदार अभिनय और रोमांच से दर्शकों को बांधना जानते हैं। कुछ वक्त पहले ही वो काजोल के साथ एक फिल्म में दिखे हैं। जिसमें इब्राहिम अली खान ने उनके बेटे का रोल प्ले किया। अब करीना के साथ जिस फिल्म में साथ आ रहे हैं, उस फिल्म का नाम है- दायरा।

दरअसल करीना कपूर खान की इस फिल्म का काफी पहले ही ऐलान कर दिया गया था। अब एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर किया है। जिसके कैप्शन में लिखा है- पहला दिन, 68वीं फिल्म, दायरा सबसे अमेजिंग मेघना गुलजार के साथ। साथ ही पृथ्वीराज सुकुमारन को भी टैग किया है। इस दौरान पूरी टीम सेट पर एक साथ पूजा करती हुई दिख रही है। दरअसल फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन पुलिस वाले बनने वाले हैं। जो वर्दी पहने दिख रहे हैं।

वहीं सामने करीना कपूर खान है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। जिसके लिए फैन्स काफी एक्साइटेड हैं। दरअसल पृथ्वीराज सुकुमारन का नाम राजामौली की 1000 करोड़ी फिल्म से भी जुड़ रहा है। कहा जा रहा है कि वो महेश बाबू की पिक्चर का हिस्सा हैं। जिसके लिए काफी पहले ही शूट कंप्लीट कर चुके हैं। दरअसल एक्टर की मां ने ही कुछ वक्त पहले हिंट दिया था। जिसके बाद पोस्ट हटा दिया गया था। वहीं खुद फिल्म डायरेक्ट भी कर रहे हैं और एक्टिंग लाजवाब है। दरअसल मेघना गुलजार अपनी कहानी कहने के तरीके के लिए जानी जाती हैं। नेशनल अवॉर्ड विनर यह डायरेक्टर विकी कौशल की सैम बहादुर को डायरेक्ट कर चुकी हैं। उससे पहले राजी और तलवार जैसी कई शानदार फिल्मों को भी बनाया है।

कॉकटेल 2 : 6000 किमी दूर से भी नहीं बच पाए शाहिद कपूर

फिल्म से फिर लीक हुआ वीडियो, तीनों स्टार दिखे एक साथ

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना स्टारर कॉकटेल 2 की शूटिंग देश से दूर इटली में चल रही है। फिल्म के सेट से आए दिन वीडियोज और फोटोज लीक होते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि मेकर्स इसपर रोक नहीं लगा पा रहे हैं। इसी बीच एक बार फिर से कॉकटेल 2 के सेट से तीनों स्टार्स का एक वीडियो लीक हो गया है। लीक क्लिप में शाहिद, कृति और रश्मिका साथ नजर आ रहे हैं। कॉकटेल 2 के सेट से एक सीक्रेट वीडियो लीक होने के बाद इंटरनेट पर हलचल मच गई है। इस क्लिप को दूर से शूट किया गया है, जिसमें स्टार्स पूरी तरह से फिल्म की शूटिंग में डूबे हुए नजर आ रहे हैं। वहीं उनके साथ फिल्म की क्रू टीम भी नजर आ रही है। कृति जहां बेहद स्टाइलिस्ट अंदाज में नजर आ रही हैं, वहीं रश्मिका का लुक थोड़ा सिंपल रखा गया है। इन तीनों को एक साथ फिल्म में देखना मजेदार होने वाला है।

लीक हुई क्लिप इटली के सिसिली की एक खूबसूरत कोबलस्टोन सड़क के सामने वाली बालकनी या खिड़की से ली गई लगती है। वीडियो में, तीनों लीड एक्टर्स के बीच बाकचीत होती हुई साफ-साफ दिखाई दे रही है। वीडियो में शाहिद कपूर का किरदार रश्मिका मंदाना के गले में हाथ डालकर उन्हें अपने करीब खींच लेता है। ऑनलाइन शेयर किए गए वीडियो में कबीर सिंह का मशहूर गाना बेखयाली बज रहा है।

आलिया भट्ट की बेटी राहा के पास है खुद की वैनिटी वैन

नाना महेश भट्ट ने दी जानकारी

आलिया भट्ट एक डोटिंग मदर हैं और इस बात में कोई दो राय नहीं कि राहा कि परवरिश वो बहुत अच्छे से कर रही हैं। एक आम मां की तरह आलिया अपनी बेटी राहा को पूरा टाइम देती हैं। अब हाल ही में महेश भट्ट ने अपनी नातिन की लग्जरी लाइफ को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक तरफ जहां बॉलीवुड में अभी भी कई फिल्म स्टार्स के पास खुद की वैनिटी वैन नहीं है। उनकी लंबी-चौड़ी टीम के तगड़े खर्च को लेकर बहस छिड़ी रहती है ऐसे में राहा को लेकर उनका ये खुलासा वाकई चौंकाने वाला है।

महेश भट्ट ने खुलासा किया कि राहा के पास खुद की वैनिटी वैन है। राहा जब भी आलिया के साथ सेट पर जाती हैं तो अपना समय अपनी वैनिटी वैन में ही बिताती हैं। मेहश ने बताया कि राहा कि वैनिटी वैन किसी नर्सरी की तरह लगती है। ह्यूमन्स को बॉलीवुड को दिए एक इंटरव्यू में महेश भट्ट ने कहा, आलिया ने चुका कि उसे शादी करनी है। अब उसकी एक बेटी भी है और वो काम भी करती है। हाल ही में गुची के इवेंट के लिए मिलान गई थीं और राहा को भी अपने साथ ले गई थीं। मैंने भी अभी उसके और अमिताभ बच्चन के साथ एक एड शूट किया था। मैंने वहां देखा कि राहा के लिए अलग से एक वैनिटी वैन है।

आलिया ने मुझसे कहा भी कि पापा जाओ और राहा के रूम में बैठ जाओ लेकिन मैं उसे गंदा नहीं करना चाहता था उसकी वैनिटी वैन में नर्सरी स्कूल जैसी फीलिंग आती है। वो बिल्कुल मंदिर की तरह है। इस पर महेश ने कहा, 'ना ना,वहां एक बूढ़े इंसान के लिए कोई जगह नहीं है।'ये नई जेनरेशन की हीरोइनें हैं। ये काम पर भी जाती हैं। बच्चा भी संभाल रही हैं और गुची की इवेंट में भी बेबी को लेकर जाती हैं।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 : नई उड़ान, नई पहचान

उत्तर प्रदेश के जनपदों के इंटरनेशनल उत्पाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 के तीसरे संस्करण का उद्घाटन किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रेड फेयर में हिस्सा ले रहे उद्यमियों से बातचीत भी की। उद्घाटन में रूसी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी शामिल हुए।

ग्रेटर नोएडा में आयोजित हो रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रूस और जापान के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ मुलाकात की तथा व्यापारिक विषयों पर उनके साथ बातचीत की।

परिवहन मंत्री व क्षेत्रीय अध्यक्ष ने बहलोलपुर में किया सहभोज

नोएडा (चेतना मंच)। सेवा पखवाड़ा के तहत उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह बहलोलपुर गांव स्थित भाजपा के महामंत्री तथा सेवा पखवाड़ा के संयोजक चंदगीराम यादव के आवास पर सहभोज में शामिल हुए।

इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया, भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, उप्र राज्य महिला आयोग की पूर्व उपाध्यक्ष सुषमा सिंह तथा अन्य परिवारीजन तथा भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

कृषि मंत्री ने वैदिक तत्वा के उत्पादों को सराहा

शुद्ध और ऑर्गेनिक उत्पादों का उत्पादन करती है वैदिक तत्वा : लहर गुप्ता

ग्रेटर नोएडा। उत्तराखंड की प्राकृतिक वादियों से निकलकर उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थापित एक स्टार्टअप 'वैदिक तत्वा' इन दिनों चर्चा में है। यह स्टार्टअप शुद्ध और ऑर्गेनिक उत्पादों जैसे घी, तेल और शहद का उत्पादन कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने इंडिया एक्सपो सेंटर एण्ड मार्ट में चल रहे इंटरनेशनल ट्रेड शो के हाल नं.-12 का अवलोकन किया।

हाल में एक स्टाल 21/17 पर लगे स्टार्टअप वैदिक तत्वा को उन्होंने खूब सराहा। वैदिक तत्वा की फाउंडर लहर गुप्ता ने कृषि मंत्री को बताया कि उनके सभी उत्पाद प्राकृतिक और पारंपरिक तरीकों से तैयार किए जाते हैं, ताकि उपभोक्ताओं तक प्रकृति का असली स्वाद और पोषण पहुँच सके। जो लोग शुद्ध और ऑर्गेनिक उत्पादों का असली स्वाद चखना चाहते हैं, उनके लिए यह सभी उत्पाद बहुत उपयोगी हैं।

लहर गुप्ता ने बताया कि उनका उद्देश्य पहाड़ों के जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त उपज को बिना किसी मिलावट के लोगों तक पहुँचाना है। साथ ही, यह पहल स्थानीय किसानों और विशेष रूप से महिलाओं को रोजगार के अवसर भी प्रदान कर रही है। उन्होंने कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को यह भी बताया कि आज के मिलावटी उत्पादों के दौर में ये जरूरी है कि उपभोक्ताओं को ये पता होना चाहिए कि उत्पाद का स्रोत क्या है इसके लिए 'वैदिक तत्व' ने प्रत्येक उत्पाद लेबल पर उत्पाद के स्रोत को स्कैन करके पता लगाया जा सकता है। अवलोकन के दौरान कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष एवं दर्जा राज्यमंत्री कैप्टन विकास गुप्ता भी साथ रहे।

ग्रेटर नोएडा के स्टॉल में लगी युवाओं की भीड़

औद्योगिक विकास मंत्री ने ग्रेनो प्राधिकरण के स्टाल का लिया जायजा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यूपीआईटीएस 2025 का ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में बृहस्पतिवार को आगाज हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में इसका शुभारंभ किया। ट्रेड फेयर में हॉल नंबर -3 में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अपना स्टॉल लगाया है। ट्रेड फेयर का उद्घाटन करने पहुंचे प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में लगे स्टॉल का भ्रमण किया। वह ग्रेटर नोएडा के स्टॉल के सामने से गुजरे और स्टॉल को देखकर खुश दिखे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ प्रेरणा सिंह और एसीईओ सुमित यादव ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। वहीं , उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने भी स्टॉल का जायजा लिया। स्टॉल में प्रदर्शित योजनाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में जानकारी ली। एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और एसीईओ प्रेरणा सिंह ने मंत्री का स्वागत किया और स्लॉट में प्रदर्शित योजनाओं के बारे में जानकारी। वहीं, बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता बोनी कपूर और एक्टर अर्जुन कपूर भी ग्रेटर नोएडा के स्टॉल पर पहुंचे। बोनी कपूर ने ग्रेटर नोएडा के अधिकारियों से इंफ्रास्ट्रक्चर पर बात की। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्टॉल पर लगे अनोमोरफिक लीड वॉल, वेब स्टैंडी, डायमंड लीड क्यूब, क्विज और पजल गेम, एआई सेल्फी बूथ, न्यूरो सेंसर कार, वे अरे सिमुलेटर गेम, लाइव मग पेंटिंग, का युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यह ट्रेड फेयर 29 सितंबर तक चलेगा।

प्राधिकरण की तैयारी का लिया जायजा

एक्सपो मार्ट में ट्रेड फेयर को देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से की गई तैयारी का फायदा मिला। उद्घाटन के दिन बड़ी संख्या में वीआईपी एक्सपो मार्ट पहुंचे, लेकिन लोगों को ट्रैफिक जाम या किसी अन्य परेशानी से नहीं जूझना पड़ा। नासा पार्किंग में 8000 वाहनों की पार्किंग का इंतजाम किया गया है, जिसके चलते लोगों को वाहनों की पार्किंग के लिए कोई असुविधा नहीं हुई है। सड़कों को मरम्मत होने से वाहनों को आवाजाही में कोई दिक्कत नहीं हुई।

प्राधिकरण के उद्यान विभाग की तरफ से ग्रीनरी बढ़ाने पर काफी काम किया गया था। इससे एक्सपो मार्ट और आसपास के एरिया में हरियाली काफी बढ़ गई है। एक्सपो मार्ट और उसके आसपास स्ट्रीट लाइट का पर्याप्त इंतजाम किया गया है। नासा पार्किंग से एक्सपो मार्ट तक आने -जाने के लिए बड़ी संख्या में बसें संचालित की गई हैं ,जिससे लोगों को काफी सुविधा हो गई है। एसीईओ सुमित यादव ने बताया कि आगंतुकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण की तरफ से सभी तैयारी की गई है। लोग आराम से ट्रेड फेयर में सरीख हो सकते हैं।